ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 342 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
09 जून 2025 सोमवार

आज का मौसम
39 अधिकतम
28 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

इंदौर से हनीमून पर मेघालय गए दंपत्ति मामले में सनसनीखेज खुलासा, उत्तरप्रदेश में गिरफ्तार

सोनम निकली बेवफा! पेशेवरों को सुपारी देकर कराई पति की हत्या

इंदौर/शिलांग, एजेंसी।

इंदौर की सोनम जिसने 28 दिन पहले सात फेरे लिए, सिंदूर लगाया, 20 मई को पति राजा रघुवंशी के साथ हनीमून पर शिलांग गई। लेकिन अब वहां से जो खबर आई, उसने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। राजा की लाश 2 जून को गहरी खाई में मिली और सोनम लापता थी। अब 17 दिन बाद कहानी में आया जबरदस्त ट्विस्ट आया। सोनम जिंदा मिली है और उप्र के गाजीपुर से पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है। खबरों के मुताबिक सोनम का पहले से किसी और युवक राज से अफेयर था और उसी के चलते पति राजा की हत्या की साजिश रची गई। राजा को प्रेमजाल में फंसाकर शिलांग ले जाया गया। हत्या के बाद वह रात में सफर करती थी, ताकि उसे कोई पहचान ना सके। वह गोरखपुर पहुंचकर नेपाल भागने की फिराक में थी।

इस मामले में यह भी कहा जा रहा है कि सोनम ने बीती रात उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सरेंडर किया है। इस बात का दावा मेघालय की डीजीपी आई नोंगरांग ने किया है। उन्होंने बताया कि पत्नी ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर कराया था।

तब और अब

मेघालय के सीएम कोनराड संगमा ने भी X पोस्ट में कहा कि वारदात में शामिल तीन हमलावरों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। हमलावर मध्यप्रदेश के ही रहने वाले हैं। फिलहाल एक अन्य हमलावर की तलाश जारी है। मेघालय डीजीपी आई नोंगरांग ने बताया कि पत्नी ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर कराया था। इधर, सोनम के पिता ने इस बात को मानने से साफ इनकार कर दिया है कि उनकी बेटी ने अपने पति की हत्या कराई होगी। उनका कहना है कि मेरी बेटी बेगुनाह है। मेघालय पुलिस ने उसे फंसाने के लिए झूठी कहानी गढ़ी है। सोनम के पिता देवी सिंह का कहना है कि -शिलांग पुलिस झूठ बोल रही है। वह इस मामले में फंसने वाली है इसलिए ऐसा कर रही है। हमारे बच्चे ऐसा नहीं कर सकते। उन्हें ऐसी शिक्षा नहीं दी गई है। मेरी बेटी 25 साल की है, कोई 10 साल की नहीं। उन्होंने कहा- सोनम मिल गई। खुशी भी है लेकिन बच्चा (राजा) चला गया, इस बात का दुख है। जितनी खुशी है, उससे कहीं ज्यादा दुख है।

गिरफ्तारी की दो कहानियां

■ फिलहाल, सोनम की बरामदगी को लेकर दो तरह की बातें सामने आ रही हैं। पहली, गाजीपुर एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया- गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने नंदगंज के काशी ढाबा पर एक महिला को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। पुलिस पूछताछ में पुष्टि हुई कि यह वही सोनम रघुवंशी है, जो अपने पति राजा रघुवंशी के साथ शिलांग में लापता हुई थी। जिला अस्पताल में चेकअप के बाद सोनम को वन स्टॉप सेंटर में रखा है। दूसरी कहानी यह कि सोनम के पिता देवी सिंह कह रहे हैं - रात करीब 2 बजे सोनम गाजीपुर के एक ढाबे पर पहुंची थी। यहां ढाबे वाले से कहकर भाई गोविंद को कॉल किया। गोविंद ने गाजीपुर से अपने परिचित को वहां भेजा। इसके बाद उन्होंने सोनम से फोन पर बात कराई। जबकि मेघालय पुलिस ने बकायदा प्रेस रिलीज कर बताया है कि राजा मर्डर मामले में मध्यप्रदेश के इंदौर से दो जबकि उत्तर प्रदेश के ललितपुर से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

सोनम की सास अवाक

■ मृतक राजा की मां संगीता ने कहा- सोनम के मिलने की खबर मिली तो मुझे एकदम झटका लगा। जब मैंने सोनम को देखा, तो उसके शरीर पर एक भी खरोंच नहीं थी। अगर उसे किसी ने मारा या किडनैप किया होता, तो कुछ तो होता उसके साथ। मां का कहना है कि मुझे बहुत बेचैनी होती है। रात को मैं अपने बेटे की फोटो के सामने बैठती हूं। मैं उससे कहती थी कि 'जिसने भी तेरे साथ गलत किया है, उसे ढूंढ के ला बेटा।' मुझे ऐसा महसूस होता है कि वह मुझसे बात करता है। गाजीपुर एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया- गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने नंदगंज के काशी ढाबा पर एक महिला को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। पुलिस पूछताछ में पुष्टि हुई कि यह वही सोनम रघुवंशी है, जो अपने पति राजा रघुवंशी के साथ शिलांग में लापता हुई थी।

23 मई से नॉट रीचेबल थे दोनों

■ राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में हिंदू रीति-रिवाजों से हुई। 20 मई को दोनों शिलांग हनीमून के लिए रवाना हो गए 22 मई को कपल नोंग्रियाट गांव के शिपारा होमस्टे में रुका 'अगले दिन सुबह 6 बजे चेकआउट किया और तभी से दोनों के मोबाइल बंद हो गए' 24 मई को मवालखियत से करीब 25 किमी दूर ओसरा हिल्स की पार्किंग में स्कूटी लावारिस मिली. इसके बाद जंगल में राजा और सोनम का सामान मिला और 2 जून को राजा की लाश वेईसावडॉन्ग झरने के पास गहरी खाई में मिली. हाथ पर बने टैटू से पहचान हुई।

लोकल ट्रेन से गिरे 8 मुसाफिर, चार मौत

मुंबई, एजेंसी। आज सुबह ठाणे के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर लोकल ट्रेन से 9 यात्री नीचे गिर गए इनमें चार की मौत की खबर हैं। नीचे गिरे यात्रियों में 8 पुरुष, 1 महिला शामिल थीं। पांच घायल बताए जा रहे हैं। ये सभी ट्रेन के गेट पर बैठे थे। घटना सुबह 9:30 बजे कसारा-सीएसएमटी लोकल ट्रेन की है। सुबह ऑफिस जाने के समय भीड़ ज्यादा होने से यह हादसा हुआ। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। रेलवे प्रशासन और पुलिस घटना स्थल पर पहुंच चुकी है। हादसे की जांच शुरू हो गई है।

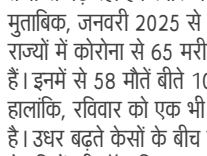

कोरोना : राज्यों को तैयारियों के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 6491 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 358 नए केस सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1957 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 980, पश्चिम बंगाल में 747 और दिल्ली में 728 एक्टिव मामले हैं। इस बीच कोरोना से मरने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जनवरी 2025 से अबतक 11 राज्यों में कोरोना से 65 मरीजों की मौत हुई हैं। इनमें से 58 मौतें बीते 10 दिन में हुई हैं। हालांकि, रविवार को एक भी मौत नहीं हुई है। उधर बढ़ते केसों के बीच केंद्र सरकार तैयारियों की मॉक ड्रिल कर रहा है।

शेयर बाजार की उम्मीदभरी शुरुआत

मुंबई, एजेंसी। इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज शेयर बाजार में तेजी है। सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 82,600 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 100 अंक से ज्यादा की तेजी बढ़त है, ये 25,100 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 26 में तेजी देखने को मिल रही है। इनमें आज ऑटो, बैंकिंग और आईटी शेयर्स में ज्यादा तेजी है। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 1.05% की तेजी के साथ 38,137 पर और कोरिया का कोस्पी 1.72% चढ़कर 2,860 पर कारोबार कर रहा है।

मप्र में लू का अलर्ट आंधी पानी भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है, जबकि भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत बाकी जिलों में तीखी गर्मी का असर रहेगा। 10 और 11 जून को ग्वालियर-चंबल संभाग में हीट वेव यानी, लू चलने का अनुमान है। इससे पहले कल प्रदेश में दिन का तापमान 44 डिग्री पार पहुंचने से लोगो को भारी दिक्कतें भी हुई। जबकि 21 शहर ऐसे रहे, जब तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। अगले 4 दिन यानी, 12 जून तक आंधी, बारिश और गरज-चमक के साथ गर्मी वाला मौसम भी रहने की संभावना है।

सीएम यादव शहडोल में कोल जनजातीय महाकुंभ में

आदिवासी अंचल में सरकार साथ में 330 करोड़ के उपहार

मुख्यमंत्री मोहन यादव कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज के रतनपुर भोपाल में बन रहे हनुमत धाम के भूमि पूजन कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर प्रकाशित पुस्तिका का विमोचन भी किया।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज फिर आदिवासियों के बीच पहुंच रहे हैं। वे कोल जनजातीय सम्मेलन के जरिए आदिवासी अंचल को साधने व सरकारी योजनाओं से संतुष्ट करने कुछ नई योजनाओं का ऐलान भी कर सकते हैं। उधर भाजपा अपने सांसदों विधायकों और मंत्रियों के पचमढी प्रशिक्षण को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है, जिसके लिये केंद्रीय मंत्री अमित शाह विशेष रूप से आ रहे हैं। सीएम आज दोपहर बाद शहडोल के ब्योहारी में आयोजित बड़े जलसे में शिरकत करने पहुंच रहे हैं। यादव ब्यौहारी में 330 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे तथा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर ब्यौहारी में आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन को संबोधित करेंगे। कोल महाकुंभ राजनीतिक रूप से भी काफी मायने रखता है। आदिवासी समाज को साधे रखने के लिये भाजपा बीते तीन साल से जतन कर रही है। हालांकि विधानसभा चुनाव में आदिवासी वर्ग पूरी तरह किसी एक दल के साथ नहीं गया है। इससे पहले सीएम यादव नरसिंहपुर के गाडरवाड़ा पहुंचे हैं, जहां वे 80 करोड़ रुपये से अधिक के निर्माण कार्यों का लोकार्पण शिलान्यास करेंगे। इनमें 135 निर्माण कार्य का लोकार्पण व 68 कार्यों का वचुअंल भूमि-पूजन शामिल है।

भाजपा ने मप्र के अपने सभी विधायकों, सांसदों और मंत्रियों की पचमढ़ी में तीन दिनों तक ट्रेनिंग की तैयारी को अंतिम रूप दे दिया है, यह 14 जून से 16 जून तक पचमढ़ी में होने वाली है। इस प्रशिक्षण वर्ग में मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को पब्लिक डीलिंग, मोबाइल मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट से लेकर पार्टी की रीति-नीति और सफरनामे की जानकारी अलग-अलग सत्रों में दी जाएगी। प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने वाले विधायक-सांसदों को सुबह 6 बजे जागना होगा। प्रशिक्षण स्थल पर सुबह 7 से 8 के बीच योग और प्रार्थना कराई जाएगी। जानकारी के मुताबिक प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय मंत्री अमित शाह जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा के बारे में व्याख्यान देंगे। शाह के साथ मंच पर सीएम मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूद रहेंगे। बताते हैं कि सभी मंत्रियों विधायकों को 13 जून को पचमढ़ी पहुंचने के लिये कहा गया है।

वर्तमान काल देश का स्वर्णिम काल : यादव

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण होने पर मध्यप्रदेश के मु यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देशवासियों को बधाई देते हुए आज कहा कि वर्तमान काल स्वर्णिम काल है। डॉ. यादव ने अपने बयान में कहा कि वर्तमान काल स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक के बाद एक, हर बार, हर कार्यकाल में देश और देशवासियों को जो काम करके दिखाया है, वह 'न भूतो न भविष्यति' है। इसके पहले डॉ यादव ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के 11 वर्षों का सेवाकाल 'विकसित भारत' के संकल्प-सिद्धि की मजबूत आधारशिला है। इन वर्षों में गरीब, किसान, महिला, युवा सहित हर वंचित वर्ग के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को हम सभी महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के यशस्वी और दूरदर्शी नेतृत्व में नया भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। आस्था से अर्थव्यवस्था तक, परंपरा से प्रौद्योगिकी तक, सुविधा से सरोकार तक, कृषि से उद्योग तक, नौकरी से स्टार्टअप तक- हर क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान रचे गए हैं।

कांग्रेस ने कहा-हमारी चुनौती का जवाब पीएम मोदी हैं नड्डा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि एक दिन पहले पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने कार्यकाल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सवालों का जवाब देने की चुनौती दी थी, लेकिन आज भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को 11 साल की उपलब्धियों का लेखा-जोखा पेश करने को प्रेस के सामने लाया जा रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि जब चुनौती मोदी के लिए थी तो नड्डा को प्रेस के सवालों का जवाब देने और 11 साल की उपलब्धियां गिनाने क्यों भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्या सवाल करने वाले अनुकूल चेहरे अब तक नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा 11 साल पूरे होने के मौके पर पहली बार एक अनस्क्रिप्टेड और बिना पूर्व-निर्धारित सवाल-जवाब वाला प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की खुली चुनौती दी थी, लेकिन भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, आज सामने आएंगे।

सुकमा में नक्सलियों के आईईडी विस्फोट में एएसपी शहीद, टीआई घायल

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार सुबह नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर पुलिस अधिकारी की गाड़ी को उड़ा दिया है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आकाश राव गिरपुन्जे शहीद हो गए। वहीं एसडीओपी, टीआई घायल हो गये। पुलिस ने बताया, कोंटा-गोलापल्ली मार्ग पर नए कैंप की स्थापना कर पुलिस अधिकारी लौट रहे थे। इस दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने एएसपी गिरपुन्जे गंभीर रूप से घायल हो गये उन्हें कोंटा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिए। अतिरिक्त एसपी आकाश क्षेत्र में पैदल गश्त ड्यूटी पर थे। ताकि भारतीय क युनिस्ट पार्टी-माओवादी (भाकपा-माओवादी) द्वारा 10 जून को भारत बंद के आह्वान के मद्देनज़र किसी भी प्रकार की नक्सली घटना को रोका जा सके।

गाजा पहुंचने से पहले एक्शन

भूखे बच्चों के लिए खाना ले जा रहा ग्रेटा का जहाज इजरायल ने रोका

तेल अवीव, एजेंसी।

अंततः इजराइल ने स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता और नोबेल पीस प्राइज विजेता ग्रेटा थनबर्ग और उनके जहाज को कब्जे में ले लिया है। आज तड़के इजराइल की 5 स्पीड बोट्स ने जहाज को घेर लिया। इसके बाद सैनिकों ने जहाज पर चढ़कर उसे अपने कंट्रोल में ले लिया। यह जहाज गाजा के लोगों के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहा था। मैडलीन नाम के इस जहाज पर 12 लोग सवार हैं। सभी सेना की हिरासत में हैं। अब इस जहाज को गाजा की जगह इजराइल ले जाया जा रहा है। वहीं ग्रेटा और उनके साथियों ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि इजराइली सैनिकों ने उन्हें और उनके साथियों को इंटरनेशनल वाटर्स में अगवा कर लिया है। ग्रेटा अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही थीं।

इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में राहत सामग्री की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा रखी है, जिससे वहां 23 लाख लोगों में से 93त्न भुखमरी का सामना कर रहे हैं। दर्जनों बच्चे भूख से मर चुके हैं। मैडलीन जहाज का मकसद इन लोगों तक मदद पहुंचाना था। माना जाता है कि शुरुआत में इजराइल इस जहाज को गाजा में डॉक करने की अनुमति देने के लिए विचार कर रहा था, बशर्ते कि यह सुरक्षा के लिए कोई सुरक्षा खतरा न बने। बाद में इजराइल सरकार ने अपना फैसला बदल लिया। इजराइल का तर्क था कि अगर एक बार मैडलीन जैसे जहाज को मंजूरी दी गई, तो आगे चलकर इस तरह की कोशिशों को बढ़ावा मिलेगा। इससे इजराइल के समुद्री प्रतिबंध कमजोर पड़ सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ सकता है।

उपद्रवियों को काबू करने नेशनल गार्डस उतरे

अमेरिका में अवैध प्रवासियों का हंगामा, हिंसा भड़की आगजनी

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के विरोध में तीन दिन से जारी प्रदर्शन अब हिंसक हो गया है। उपद्रवियों ने आज पूरे शहर में कई सड़कों पर आगजनी की है। इस दौरान कई गाड़ियों को आग के हवाले किया है। कई प्रदर्शनकारी मेक्सिको का झंडा लेकर प्रदर्शन करते आए। हालात को काबू करने के लिए अमेरिकी नेशनल गार्ड्स ने भारतीय समयानुसार तड़के प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले-रबर बुलेट्स दागीं और भीड़ को पीछे धकेला। घटना मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर के बाहर हुई, जहां प्रदर्शनकारी जुटे थे। कुछ प्रदर्शनकारी 'गो होम' और 'शेम' के नारे लगाने लगे।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शहर पर अवैध प्रवासियों का कब्जा है, इसे जल्द आजाद कराया जाएगा। उन्होंने लॉस एंजिल्स में हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड्स को भेजा है। हालांकि, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर कैरेन बैस ने नेशनल गार्ड्स भेजने का विरोध किया है। यह पहला मौका है जब किसी राज्य की नेशनल गार्ड को बिना गवर्नर की अनुमति के भेजा गया। लॉस एंजिल्स में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इसी का विरोध हो रहा है। छापेमारी राष्ट्रपति ट्रम्प की डिपोर्टेशन पॉलिसी का हिस्सा है।

कम जगह में निर्माण की मजबूरी में उभरी गफलत !

ऐशबाग आरओबी: खतरनाक टर्निंग बन सकती है जानलेवा!

तीन साल पहले आरओबी का निर्माण हुआ था शुरू, 18 महीने में होना था तैयार

ब्रिज पर आने के बाद वाहनों को लगभग 90 डिग्री पर टर्न लेना होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सबसे ज्यादा जरूरतों वाले इलाके ऐशबाग में करीब दस साल से ज्यादा के इंतजार के बाद अब तैयार होने जा रहे आरओबी की टर्निंग एक एक्सीडेंट जोन की आशंका पैदा कर रही है। इस ब्रिज पर आने के बाद वाहनों को लगभग 90 डिग्री पर टर्न लेना होगा। जानकार मान रहे हैं कि इस एंगल पर वाहन मोड़ने पर गाड़ियां ब्रिज की दीवार से भी टकरा सकती हैं या सामने से आ रही गाड़ी से भी एक्सीडेंट भी हो सकता है। यह टर्निंग एकदम चपटी सी नजर आती है। यहां तेज गति से आने वाला वाहन यदि नहीं संभला तो खतरा हो सकता है।

दरअसल, ब्रिज पर दोनों ओर से आने वाले ट्रैफिक को देखते हुए यह बहुत खतरनाक पाइंट कहा जा रहा है। इस आरओबी का निर्माण तीन साल पहले मई 2022 में शुरू हुआ था और इसे अठारह महीने में बनकर तैयार हो जाना था। इसकी लागत 18 करोड़ रुपए आई है और लंबाई 648 मीटर बताई जा रही है जबकि 8 मीटर की चौड़ाई है। इसका 70 मीटर लंबा रेलवे का हिस्सा है।

जानकारों का मानना है इस पर गाड़ियों की स्पीड पर नियंत्रण बहुत जरूरी हो जाएगा। यहां सिर्फ साइन बोर्ड लगाने से काम नहीं चलेगा,क्योंकि रफ्तार मं लोग इसे अनदेखा भी करते हैं। यहां स्पीड कम करने के अन्य तरीके अपनाने होंगे यदि वाहन के संतुलन ज्यादा बिगडने की नौबत आई तो गाड़ी नीचे भी गिर सकती है। बताया जाता है कि लोनिवि के सेतु डिविजन के एक्जीक्युटिव इंजीनियर आरए मोरे ने गत दिवस ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचकर यहां डामरीकरण के समय सुपर एलिवेशन डिजाइन के निर्देश दिए हैं। बताया जाता है कि सुपर एलिवेशन मोड़ में इस्तेमाल होने वाली बुनियादी ढांचे के निर्माण की विधि है, जिसमें बाहरी किनारे को भीतरी किनारे से ऊपर उठाया जाता है। जब वाहन इन मोड़ से गुजरते हैं, तब सड़क एक कोण पर झुकी हुई होती है, जिससे मोड़ पर चलना आसान हो जाता है।

क्रॉसिंग बंद होने से जरूरत बढी

यदि सूत्रों की मानें तो इस ब्रिज के निर्माण के समय रेलवे ने भी 90 डिग्री की इस टर्निंग पर आपत्ति की थी लेकिन पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों ने यहां जगह कम होने का हवाला देते हुए कहा कि और कोई विकल्प नहीं है। दरअसल ऐशबाग का रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के बाद इस इलाके के लिए आरओबी एक बड़ी जरूरत मानी जा रही है, इसलिए कम जगह में भी इसे बनाने की युक्ति निकाली गई है,हालांकि अब इसमें सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं।

देर रात तक मशक्कत करतीं रहीं दमकल की गाड़ियां

12 घंटे तक धधकती रही पुट्ठा फेक्ट्री, आज सुबह तक निकलता रहा धुंआ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के एच सेक्टर आदर्श नगर स्थित वरुण इंटरप्राइजेज पुट्ठा (पेपर के गत्ते) बनाने की फैक्ट्री में करीब 12 घंटे तक आग सुलगती रही। आज सुबह तक भी धुआं निकलता रहा। देर रात 50 से ज्यादा दमकलों और टैंकरों की मदद से भीषण आग पर काबू तो पा लिया गया था, लेकिन पुट्ठों की वजह से वह बार-बार सुलगती रही। फैक्ट्री में रविवार शाम 7 बजे आग लग गई थी। आग तेजी से फैलती की गई। इस वजह से पास की झुग्गी बस्ती को तत्काल खाली कराना पड़ा। झुग्गियों तक आग न पहुंचे, इसके लिए सबसे पहले दमकलकर्मियों ने वहीं मोर्चा संभाला। इसके बाद फैक्ट्री के अंदर की आग पर काबू पाने की कोशिश रात भर चलती रही। हालांकि, सुबह तक आग काबू में आ गई, लेकिन कुछ जगहों से वह बार-बार सुलग रही थी। इस कारण दमकलें मौके पर ही तैनात रही।

बताया जाता है कि फैक्ट्री में रखे कागज के रोल और प्लास्टिक की मौजूदगी के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। आग बुझाने के लिए शहर के सभी फायर स्टेशनों से दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। कुल 10 फायर फाइटर, 2 वाटर बाऊजर और 8 टैंकर ने करीब 5-5 बार पानी की रिफिलिंग कर आग पर काबू पाने की कोशिश की। 50 से ज्यादा टैंकर और दमकलें आग बुझाने में लगे रहे।जानकारी के अनुसार, रविवार होने से फैक्ट्री बंद थी, इसलिए फायर फाइटर्स ने दरवाजा तोड़ा। तभी आग से जलकर टीन शेड से बनी छत नीचे गिर गई। इससे फायरमैन को अंदर घुसने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालात को देखते हुए मौके पर जेसीबी बुलाकर टीन शेड हटाया गया।आग से पूरे क्षेत्र में दहशत फैली रही। देर रात तक लोग झुग्गियों से बाहर सड़कों पर डटे रहे। घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड के साथ ही अशोका गार्डन थाने से पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका था।

मिशन कर्मयोगी

नगरीय प्रशासन एवं विकास के 43 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी पंजीकृत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में राष्ट्रीय मिशन कर्मयोगी की अवधारणा और कार्य-प्रणाली को ध्यान में रखकर राज्य सरकार ने क्षमता निर्माण नीति तैयार की है। इस नीति में प्रत्येक विभाग के बजट में मिशन कर्मयोगी के लिये बजट का एक प्रतिशत आरक्षित किया गया है। इस व्यवस्था से कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास के लिये आवश्यक संसाधन सुनिश्चित हो रहे हैं।

यह व्यवस्था संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास में भी लागू की गयी है।

मिशन कर्मयोगी डिजिटल पोर्टल पर अब तक 43 हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को पंजीकृत किया जा चुका है। ये कुल कर्मचारियों का लगभग 70 प्रतिशत है। संचालनालय के 8816 प्रतिभागी पाठ्यक्रमों में पंजीकृत हैं, जिनमें से 6843 अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त किया जा चुका है। विभाग द्वारा विशेषज्ञों के माध्यम से 4 ई-लर्निंग मॉड्यूल निर्मित किये गये हैं। इनमें आश्रय-स्थल प्रबंधन, स्व-सहायता समूह गठन एवं प्रबंधन, राजस्व प्रबंधन, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 शामिल हैं। प्रदेश की क्षमता निर्माण नीति मिशन कर्मयोगी के आदर्शों पर आधारित एक ठोस एवं दायित्वपूर्ण रणनीति है। इससे राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों की कौशल और नेतृत्व क्षमता लगातार बढ़ेगी। राज्य सरकार की यह पहल केन्द्र सरकार की नीति से मेल खाती है। प्रशिक्षित प्रशासन तंत्र से सक्षम उत्तरदायी सुशासन व्यवस्था को साकार किया जा रहा है।

शहर का सबसे बड़ा व्यावसायिक केंद्र कब्जों से बेहाल

डेढ़ करोड़ रुपए संपत्ति कर देने वाले एमपी नगर में 90% गाड़ियां रोड पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर का सबसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र एमपी नगर... यहां जमीन का सरकारी रेट ही 1.50 लाख रुपए प्रति वर्ग मीटर तक है। नगर निगम को यहां से सालाना करीब डेढ़ करोड़ रुपए संपत्ति कर मिलता है। इसके बावजूद यहां रोजाना आने वाली 50 हजार गाड़ियों में से 90 फीसदी सड़क पर पार्क होती हैं और खुली जमीन पर गुमठियों से लेकर झुग्गियों तक का कब्जा है। इस दुरावस्था

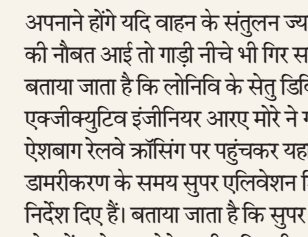

का नतीजा यह है कि यहां मौजूद 3000 से अधिक दुकानों और व्यावसायिक संस्थानों में रोज आने वाले 1 लाख लोग परेशान होते हैं। एमपी नगर में बैरागढ़ और रायसेन रोड से लेकर करोंद और कोलार यानी शहर के हर कोने से लोग आते हैं। शहर के कारोबार की धड़कन बन चुके इस इलाके में एक बार फिर बड़े पैमाने पर बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है। इससे पहले साल 2006-07 में यहां नगर निगम और सीपीए ने सीमेंट-कॉन्क्रीट की सड़कें बनाईं थीं। इन 20 सालों में यहां आने वाले वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लगभग 2000 वाहनों की पार्किंग के लिए जोन-1 में एक मल्टीलेवल पार्किंग बनी।

गर्व और गौरव का क्षण- मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में विशेष आयोजनमें विधानसभा के उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री माननीय पीसी शर्मा एवं कांग्रेस सचिव व पार्षद योगेंद्र गुड्डू चौहानने विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

सिंधी टैलेंट हंट का ऑडिशन, फाइनल 14 को, प्रतिभागियों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

वीना कला एवं सेवा समिति, संतनगर द्वारा साध्वी द्रोपदी धनवानी की स्मृति में आयोजित सिंधी टैलेंट हंट के ऑडिशन रविवार को साधु वासवानी स्कूल में हुए। सुबह 11: 00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक चले इन ऑडिशनों में सिंधी भजन गीत, सिंधी डांस और सिंधी एक्टिंग श्रेणियों में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

जजों ने ऑडिशन के उपरांत फाइनल के लिए प्रतिभागियों का चयन किया। सिंधी डांस श्रेणी में 10 बच्चों का चयन हुआ है, जिनमें मान्या केवलानी, सौम्या खूबचांदनी, तान्या मुरजानी, दिव्यान इसरानी, परी केवलानी, देविका नेभवानी, मिश्ता खुशहालनी, कनिष्का आहूजा, रूही सतानी, और सुहानी गिड़वानी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अंकिता प्रजापति द्वारा एक विशेष प्रस्तुति भी दी जाएगी। सिंधी सिंगिंग में गोविन्द भगत, निवांश राजानी, अंश केवलनी, भावना ठाकुरानी, रोमा हरचंदनी, भूमिका सभनानी, और मानसी लालवानी ने अपनी जगह बनाई है। वहीं, एक्टिंग श्रेणी में

कृष्णा आसवानी, दक्ष लालवानी, हिमांशी ठाकुरानी, हर्षित नारवानी, नायरा भम्भानी, लक्ष मूलचंदनी, और प्रेरणा बेलानी का चयन हुआ है। जज के रूप में अशोक बुलानी, दिलीप लालवानी, परसो नाथानी, नरेश गिड़वानी, आर.के. गिड़वानी, महक भरवानी, ज्योति चावला, कल्पना चांदनी, हर्षा मूलचंदनी और सरिता ख्यानी उपस्थित रहीं। चयनित प्रतिभागियों का फाइनल 14 जून 2025, शनिवार को शाम 5 बजे से साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी ऑडिटोरियम में रखा गया है।

संतनगर मंडल में संकल्प से सिद्धि तक कार्यशाला, मोदी के 11 साल पर चर्चा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भाजपा संतनगर मंडल द्वारा %संकल्प से सिद्धि तक% विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सफल 11 वर्ष के कार्यकाल और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राम बंसल और जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के 11 वर्षों की उपलब्धियों और आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बताया कि कैसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है और भविष्य में किन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी ने की, उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला कार्यकर्ताओं को पार्टी के विचारों और उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने में मदद करेगी। कार्यशाला में चंदू भैया, माखन सिंह राजपूत, जोन अध्यक्ष विकास मारण, किशन अच्छानी, बसंत चेलानी, महामंत्री सूरज यादव, बबलू चावला, शेट्टी चंदनानी, सुमित आहूजा, उमेश नागर, प्रदीप मेवाड़ा व सभी कार्यक्रमों के संयोजक, सहसंयोजक, मंडल के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता और सभी बूथों के अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विहिप द्वारा 63 बस्तियों में लगाए गए निशुल्क चिकित्सा शिविर

हिरदाराम नगर। विश्व हिंदू परिषद, सेवा विभाग भोपाल एवं नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक महानगर भोपाल की 63 सेवा बस्तियों में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। 45 बस्तियों में निःशुल्क औषधि वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य शिविरों में विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री जितेंद्र सिंह पवार, नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अश्वनी टंडन, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. मनीषा श्रीवास्तव, डॉ. कुलदीप गुप्ता, विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र सेवा प्रमुख श्री राकेश अग्रवाल, प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह, प्रांत सह मंत्री गोपाल सोनी, प्रांत सेवा प्रमुख श्री गोपाल दास राठी, श्री राजेश

साहू, प्रांत मातृशक्ति सह संयोजिका श्रीमती शम्मी हरीश, बजरंग दल सह संयोजक श्री लोकेंद्र मालवीय, विभाग मंत्री जीवन शर्मा, हरिओम शर्मा, पप्पू पालीवाल सहित अनेक डॉक्टर और विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल के विभाग व जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

भाजपा गुरुनानक मंडल ने आयोजित की मंडल कार्यशाला

मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास के नए आयाम छुए

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भाजपा गुरुनानक मंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के अमृत काल, सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल पूर्ण होने पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला को पाठशाला की तर्ज पर आयोजित किया गया था। कार्यशाला में प्रधानमंत्री के सफलतम 11 वर्षों के पूर्ण होने पर एक विशेष वीडियो को लॉन्च किया गया। इसके अलावा, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस, विश्व योग दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस को बूथों पर आयोजित करने की चर्चा की गई।

कार्यशाला से पूर्व एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। गुरुनानक मंडल के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने

कहा, ÷प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने विकास के नए आयाम छुए हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा दिखाई है और हमें गर्व है कि हमारे प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता ने देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया है।÷ उन्होंने कहा, उनके कार्यकाल में भारत ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और हमें उनके कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके विचारों को अपनाने के लिए काम करना होगा। विकसित भारत के अमृत काल में प्रधानमंत्री जी के विजन को साकार करते हुए देश और अधिक विकसित और समृद्ध बनने जा रहा है।÷

कार्यशाला में महेश मकवाना, मांगीलाल वाजपेयी, सरोज आसेरी, भगवान् दास ढालिया, यतिन मकवाना, सुनील सराठे, मुकेश सोलंकी, नरेंद्र ठाकुर, राजा शर्मा, राम जीवन मकोरिया, कैलाश हिरवे, दीपचंद् तिवारी, सुकांति ठकुरिया, राजकुमारी डागो, लक्ष्मी महाजन, पाना बाई, कुसुम हिरवे, मीरा बाई, गोवर्धन अहिरवार, नितिन बम्मन, सुनील शुकरवारे, अजय सरवैया, संदीप कल्याने, अतुल घेंघाट, अजय प्रजापति, विवेक तिवारी सहित युवा साथी उपस्थित थे।

विभाग ने जारी किए दिशा-निर्देश, प्रशासकीय स्थानांतरण संबंधी अधिकार 7 से 16 जून तक

प्रभारी मंत्री के अनुमोदन पर अब होंगे मास्साबों के तबादले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग की राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति-2022 की कण्डिकाओं में शिथिलता प्रदान करते हुए संशोधित आदेश जारी किये गये हैं। यह प्रशासकीय स्थानांतरण संबंधी अधिकार 7 से 16 जून की अवधि में जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री को प्रत्यायोजित किये गये हैं। जिला स्तर पर स्थानांतरण की अवधि में जिला संवर्ग में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के शासकीय सेवकों, जिनमें प्राथमिक शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक (विज्ञान), सहायक शिक्षक (विज्ञान), प्रधानाध्यापक प्राथमिक शाला, लिपिकीय वर्ग संवर्ग तथा भृत्य संवर्ग के लोक-सेवकों का जिले के भीतर स्थानांतरण जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद किया जायेगा।

कोई भी आदेश ऑफलाइन जारी नहीं-

विभागीय स्थानांतरण नीति-2022 के प्रावधानों का पालन करते हुए ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से जारी किये जायेंगे। स्थानांतरण आदेश पोर्टल पर जिला कलेक्टर की लॉगिन से अनुमोदन उपरांत जिला शिक्षाधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर से जारी होंगे। कोई भी आदेश ऑफलाइन जारी नहीं किया जायेगा।

अधिकारियों-कर्मचारियों की नीति में संशोधन

रिटायरमेंट के एक साल तो नहीं मिलेगा तबादला

जिले में 10 से कम नामांकन वाली किसी भी शाला में किसी भी शिक्षक का स्थानांतरण नहीं किया जायेगा। पारस्परिक स्थानांतरण समान पद एवं विषय होने पर ही किये जा सकेंगे, किन्तु 31 मई, 2025 से एक वर्ष की समयावधि में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों का पारस्परिक स्थानांतरण नहीं किया जा सकेगा। आदेश में प्रदर्शित किये गये संवर्ग को छोड़कर शेष संवर्गों में प्रशासकीय स्थानांतरण राज्य स्तर से ही किये जा सकेंगे।

समय-सारणी की हुई जारी

एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी किये जाने के लिये विभाग ने समय-सारणी नियत की है। स्थानांतरण किये जाने की अवधि 16 जून नियत की गयी है। स्थानांतरण के लिये प्रशासकीय प्रस्ताव 14 जून तक दर्ज किये जा सकेंगे। ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी करने का कार्य 16 जून तक ही किया जा सकेगा। विभाग द्वारा उक्त आदेश समस्त जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण और जिला शिक्षाधिकारी को जारी किये गये हैं।

बिना पैसे वाली मांगें 25 सालों से लटकी इस बार मोहन सरकार से बंधी उम्मीदें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार ने कर्मचारियों की आर्थिक मांगों को एक झटके में पूरा कर दिया लेकिन जिन मांगों पर एक रुपये भी खर्च नहीं होने हैं, ऐसी कई मांगे 20 से 25 वर्षों से पूरी नहीं हो रही है। अब कर्मचारियों को मोहन सरकार से उम्मीद है। हालांकि इस मामले में अफसरों को फाइलें आगे बढ़ानी होगी, तभी बात बनेंगी।

ये मांगें, जिन पर नहीं आना खर्च

- दैनिक वेतन भोगी व स्थाई कर्मियों की मौत होने के बाद उनके परिवार के सदस्यों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा रही। अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले कर्मचारी को वही मानदेय दिया जाता है जो कि मृतक कर्मचारी को दिया जाता था।
- विकासखंडों में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सेवाएं दे रहे हैं।
- प्रदेश के कार्यालयों में अफसरों की खातिरदारी कर रहे भृत्यों के पदनाम कार्यालय सहायक करने की मांग उठ रही है।
- सहायक ग्रेड-3 पर सेवाएं देने वाले कर्मचारियों के निधन के बाद संबंधित के परिवार के एक सदस्य को नौकरी मिलती है, जिसके लिए शर्त है कि उसे 4 साल में सीपीसीटी पास करना होगा, नहीं तो सेवा से हटा दिया जाता है।
- हजारों लिपिक मंत्रालय सेवा के लिपिकों की तरह ग्रेड-पे मांग रहे हैं, सरकार दे भी रही, लेकिन रिकार्ड में नहीं है, जिसे संशोधित करने की जरुरत है।

10 को आएगी संस्कृत विवि की मेरिट सूची

भोपाल। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए सीयूईटी के तहत पंजीयन हो चुके है।?आगामी 10 जून को इसकी मेरिट सूची जारी होगी।?विद्यार्थी 11 से 20 जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले सकते हैं। विवि ने इस साल 50 प्रतिशत सीटों पर सीयूईटी एवं 50 प्रतिशत सीटों पर नॉन सीयूईटी यानी खुद के एंट्रेंस एग्जाम के आधार पर प्रवेश दिया है। नॉन-सीयूईटी के तहत प्रवेश के लिए परीक्षा आठ जून को आयोजित की जाएगी और परीक्षा का परिणाम 13 जून को घोषित किया जाएगा। सफल विद्यार्थी 16 से 23 जून के बीच फीस जमा कर प्रवेश ले सकेंगे।

संपादकीय

बाजार की बेहतरी के दिन

पिछले दिनों अर्थव्यवस्था के लिहाज से सकारात्मक खबरों के बीच अब भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने रेपो रेट यानि नीतिगत दरों में कमी से यही संकेत उभरा है कि महंगाई अब काफी हद तक नियंत्रण में है और आर्थिक मोर्चे पर खड़ी चुनौतियों से पार पाने में देश आगे की राह पर है। आरबीआई ने तीन दिन पहले ही नीतिगत दर में 0.5 फीसद की कमी करके उसे 5.5 फीसद कर दिया। इसे उम्मीद से ज्यादा की कमी माना जा रहा है। खास बात यह है कि यह लगातार तीसरी बार कटौती है। इसके अलावा, एक चौंकाने वाले फैसले के तहत आरबीआइ ने बैंकों के लिए भी नकद आरक्षित अनुपात यानी सीआरआर में भी एक फीसद की कटौती की घोषणा की। इससे पहले आरबीआइ ने इसी वर्ष फरवरी और अप्रैल में पच्चीस आधार अंकों की कटौती की थी। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ाव से निपटने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में जैसी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसमें इन उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में भी मदद मिलेगी।

दरअसल, रेपो दरों में कमी को मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता रहा है। कर्ज सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर टिका होता है और इसका सीधा और पहला असर उन उपभोक्ताओं पर पड़ता है, जिन्होंने घर, वाहन, अन्य सामान या फिर शिक्षा जैसी जरूरतों के लिए बैंकों से ऋण लिया होता है या फिर वे लोग, जो इस बात का इंतजार करते हैं कि रिजर्व बैंक की ओर से कब नीतिगत दरों में कमी की जाए और कर्ज सस्ता होने के बाद वे कुछ खरीदने या निवेश करने की योजना बनाएं। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक की नीतिगत दरों के अनुरूप ही व्यावसायिक बैंक उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले ऋण और अन्य सावधि जमा के मद में ब्याज की दरें निर्धारित करते हैं। इसलिए उम्मीद है कि रेपो दरों में कमी के बाद व्यावसायिक बैंक भी कर्ज की दरें घटाएंगे। इसके बाद स्वाभाविक रूप से कर्ज सस्ता होगा और मासिक किस्तों में कमी की वजह से बैंकों से ऋण लेने वाले उपभोक्ताओं की मांग बढ़ सकती है। साथ ही, पिछले कुछ समय से वाहन बाजार और खासतौर पर जमीन-जायदाद के कारोबार में जिस तरह की मंदी की आशंका जताई जा रही थी, नीतिगत दरों में कटौती के बाद उसमें सुधार आने की उम्मीद की जा सकती है। इस लिहाज से यह अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की दिशा में एक अहम कदम है। मगर इस तरह के फैसले सिर्फ घोषणाओं और अर्थव्यवस्था के जटिल गणित तक ही न सिमटे। इसका असर जब तक जमीन पर नहीं दिखेगा, आम लोगों को इसका सीधा फायदा नहीं मिलेगा, वे अपनी जरूरत के लिए घर या कोई अन्य चीज की खरीदारी को लेकर सहज और निर्द्वंद्व नहीं होंगे, तब तक इस तरह के फैसले अर्थव्यवस्था की चुनौतियों को दूर करने में सहायक साबित नहीं हो सकते। महंगाई से राहत और क्रय शक्ति की सीमा में खरीदारी में सहजता से यह तय होगा कि रेपो दरों में कमी का लाभ आम लोगों तक कितना पहुंच पाता है। ऋण लेने का उत्साह उसे चुकाने की स्थितियों पर टिका रह सकता है। इसलिए रेपोरेट के साथ ही सरकार को रोजगार और आय के अन्य माध्यमों की बुनियाद मजबूत करने की कोशिशें चलाए रखनी होंगी। ताकि लोग अपने निवेश और अन्य आर्थिक फैसलों को लेकर सुरक्षित महसूस करें,जब उनकी जेब में पैसा बचेगा तो निश्चित ही वह बाजार में आएगा और इस प्रवाह के बढने से प्रोडक्शन चेन बढेगी तथा रोजगार कारोबार में इजाफा होगा।

मोदी सत्ता के 25 साल में किस ऊंचाई कितना बदला भारत

■ आलोक मेहता

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र में तीसरी बार सरकार बनने का एक साल 9 जून को पूरा हो रहा है 7 भारतीय जनता पार्टी ही नहीं विरोधी और दुनिया भर के नेता लगातार सफलताओं का श्रेय नरेंद्र मोदी के करिश्माई राजनीतिक सामाजिक व्यक्तित्व को देते हैं । लेकिन

इसे सत्ता के 11 वर्ष की उपलब्धि के बजाय मोदी की सत्ता के 25 वर्षों के कामकाज , सामाजिक आर्थिक विकास की दूरदर्शिता के परिणामों के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए । मेरी नजर में सन 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद से नरेंद्र मोदीजी ने पुराने सरकारी ढर्रे में बदलाव के साथ विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए नई योजनाएं , कार्यक्रमों का जो सिलसिला शुरु किया , वह 2014 में प्रधान मंत्री का दायित्व सँभालने के बाद व्यापक रुप लेता चला गया । शिक्षा , स्वास्थ्य , आवास , स?क , पानी , बिजली , खेती और उद्योग व्यापार जैसे हर क्षेत्र में जन कल्याण के लिए आने वाली कठिनाइयों से निपटने और विकास की गति तेज करने के प्रयासों का लाभ न केवल करो?ों लोगों को मिल रहा है , बल्कि विश्व आर्थिक दौ? में भारत चौथे स्थान पर पहुँच गया है और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ने के हर संभव प्रयास हो रहे हैं । दूसरी तरफ इस बात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि दुनिया के शक्ति संपन्न देश अमेरिका , रुस , चीन के शीर्ष नेता डोनाल्ड ट्रम्प , व्लादिमीर पुतिन और शी जिन पिंग को भी लगातार 25 वर्षों तक लगातार सत्ता के कार्यों का अनुभव नहीं है और न ही भारत जैसी चुनौतियां है । आतंकवाद से लड़ने में भी हाल के सिंदूर आपरेशन में आतंकी अड्डों को नष्ट करने और पाकिस्तान के सैन्य हवाई अड्डों आदि को निशाना बनाकर विश्व में भारत की सुरक्षा व्यवस्था और क्षमता का डंका बजा दिया गया है । पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा पर्यटकों पर धार्मिक आधार पर किए गए हमले का दूसरा जवाब विश्व के सबसे ऊँचे चिनाब रेल ब्रिज के उद्घाटन के साथ जम्मू कश्मीर और देश को रेल मार्ग से जोड़कर लाखों भारतीयों के जाने की सुविधा से दिया है ।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस बात से प्रसन्न हैं कि बीते 11 साल में उनकी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है।उन्होंने पिछले दिनों एक सन्देश में कहा कि इस दौरान हमारी उपलब्धियां ना सिर्फ अभूतपूर्व हैं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को आसान बनाने वाली हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि देश को आगे ले जाने के अपने इन प्रयासों के साथ हम विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को जरूर हासिल करेंगे।पहले घर का चूल्हा ठंडा पड़ जाता था, दो वक्त के खाने के लिए सोचना पड़ता था। अब हर महीने पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत मुफ्त राशन मिल रहा है। वीडियो में पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए बताया गया कि पहले सरकारी योजना के पैसे लोगों तक नहीं पहुंचते थे, बिचौलिये पैसे खा जाते थे, लेकिन अब सीधे जनता के अकाउंट में पैसे भेजे जा रहे हैं। पहले कोई बीमार पड़ता था, तो इलाज के खर्चे के बारे में सोचकर ही जान पर बन आती थी, लेकिन अब आयुष्मान भारत योजना से अस्पतालों में मुफ्त इलाज होता है। इस दौरान देश प्रगति के साथ नया इतिहास भी रचा गया है। इन 11 सालों में डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से भारत ने तकनीकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे देश की वैश्विक पहचान मजबूत हुई है। इसके साथ ही देश की सुरक्षा में मजबूती आई है।

मेरा मानना है कि भारत की प्रगति के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है । इसके बिना किसी अन्य क्षेत्र में विकास संभव नहीं है । इस दृष्टि से

नई शिक्षा नीति लाने के बाद मोदी सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं । पिछले दशक में देश ने उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में 13.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2014-15 में 51,534 से बढ़कर मई 2025 तक ।0,683 से अधिक हो गई है। इसी अवधि के दौरान विश्वविद्यालयों की संख्या ।60 से बढ़कर 1,334 हो गई और कॉलेजों की संख्या 38,498 से बढ़कर 51,959 हो गई। यह उछाल सभी के लिए सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे प्रमुख संस्थानों का भी काफी विस्तार किया गया है। 2014 से, इन संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। आईआईटी 16 से बढ़कर 23 हो गए, जबकि आईआईएम 13 से बढ़कर 21 हो गए। एम्स संस्थानों की संख्या तीन गुनी से अधिक बढ़कर । से 23 हो गई है। मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी 38। से बढ़कर 2,045 से अधिक हो गई है, जो सामूहिक रूप से 2024 तक 1.9 लाख से अधिक मेडिकल सीटें प्रदान करते हैं।स्कूली शिक्षा को और मजबूत करने के लिए, पीएम श्री (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) योजना सितंबर 2022 में शुरू की गई थी। पांच वर्षों में 21,360 करोड़ रुपये के केंद्रीय परिव्यय के साथ, इस योजना का लक्ष्य 14,500 स्कूलों को मॉडल संस्थानों में अपग्रेड करना है जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। अकादमिक शिक्षा से परे, कौशल विकास भारत की युवा सशक्तिकरण रणनीति के केंद्र में रहा है। 2015 में कौशल भारत मिशन के शुभारंभ के बाद से, 1.63 करोड़ से अधिक युवाओं ने विभिन्न कौशल क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

दूसरी तरफ दस करो? से अधिक लोग आयुष्मान भारत और जन औषधि योजना से करो?ों लाभान्वित हो रहे हैं । शिक्षित स्वस्थ नागरिक ही विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के लिए निरंतर काम कर सकते हैं । अयोध्या , सोमनाथ , काशी, मथुरा, उज्जैन सहित धार्मिक सांस्कृतिक नगरों को सुन्दर और पर्यटन के आकर्षण केंद्र बनाए जाने से भावनात्मक एकता ब?ाने का पुनीत कार्य जारी है । धर्म के साथ राष्ट्र सुरक्षा के लिए तीनों सेनाओं के आधुनिकीकरण और स्वदेशी हथियारों के निर्माण की दिशा में रिकॉर्ड उपलब्धियां हो रही है । अब तो देश की आवश्यकता के अलावा हथियारों के निर्यात में विकसित देशों से प्रतियोगिता के लिए भारत तैयार है । भारत ने फ्रांस से राफेल फाइटर जेट खरीदे। अब राफेल बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन हैदराबाद में अपना प्लांट लगाने जा रही है। इस संयंत्र में टाटा एडवांस्ड सिस्टम के साथ राफेल युद्धक विमान की बॉडी बनाएगी जिसे एविएशन की भाषा में फ्यूजलेज कहते हैं। दसॉ ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह एयरोस्पेस सेक्टर में मैन्युफैक्चरिंग की भारत की क्षमता बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू रखने की दिशा में बड़ा कदम है। दसॉ ने कहा कि हैदराबाद प्लांट के जरिए भारत एयरोस्पेस इन्फ्रास्ट्रक्चर में अहम निवेश कर रहा है और यह प्लांट हाई-प्रेसिजन मैन्युफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। राफेल फाइटर जेट की पहली बॉडी वित्त वर्ष 2028 में बनकर तैयार हो जाएगी। तभी तो यह दावा किया जाता है कि मोदी के नेतृत्व में हर मोर्चे पर विजय की पताका फहराना मुमकिन है ।

समुद्र के पारिस्थितिकीय तंत्र पर गंभीर संकट

■ पंकज चतुर्वेदी

भारत के दक्षिणी समुद्री तट पर मंडरा रहा यह संकट पर्यावरण के साथ-साथ लाखों लोगों की रोजी-रोटी से भी जुड़ा है। प्लास्टिक कचरे के कारण हाल ही में उस इलाके से पकड़ी गई मछलियों के खरीदार नहीं मिल रहे...

बीते 26 मई को कोच्चि के पास जलमग्न हुए लाइबेरिया के एक जहाज से फिलहाल तेल के फैलाव और उसमें भरे रसायनों की पानी से होने वाली क्रिया के कारण संभावित प्रदूषण का कोई खतरा सामने नहीं आया है। हालांकि, जहाज में लदे कुछ कंटेनरों के टूटने के बाद उनमें भरे अनगिनत प्लास्टिक के छोटे-छोटे गेंद जैसे छर्रे, जिन्हें नर्डल्स कहा जाता है, का फैलाव अब कन्याकुमारी तक हो गया है। यह न केवल समुद्री तटों, बल्कि व्यापक रूप से जल-जीवन के लिए एक बड़ा संकट बन गया है।छोटे और हल्के होने के कारण नर्डल्स पानी पर तैरते हैं और समुद्री धाराओं, नालों तथा नदियों के माध्यम से दूर-दूर तक फैल जाते हैं। एक तो समय से पहले मानसून आ गया है, दूसरा इन दिनों अरब सागर में ऊंची लहरें और छोटे चक्रवात सक्रिय हैं। इन कारणों से ये प्लास्टिक छर्रे अपेक्षा से कहीं अधिक दूर तक फैल गए हैं। उल्लेखनीय है कि समुद्री कंटेनरों में भरे सामान को सुरक्षित रखने के लिए इस तरह के छर्रों का उपयोग किया जाता है।

तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के 42 तटीय गांवों में से 36 के समुद्र तटों पर प्लास्टिक के ये सफेद छर्रे, जहरीले कंकड़ बनते जा रहे हैं। इस प्रदूषण के चलते विशेष रूप से किलियूर तालुक के तटीय आवासीय क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहां के सभी 16 गांव प्रभावित हुए हैं। कलकुलम और अगस्तीस्वरम तालुकों में भी क्रमशः 13 तटीय बस्तियों में से 10-10 में नर्डल्स देखे गए हैं। प्लास्टिक के ये टुकड़े मंगलवार को कन्याकुमारी शहर के निकट मणाकुड़ी नामक तटीय गांव तक पहुंच चुके हैं। इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि बीते गुरुवार को कोंकलेच के वानियाकुड़ी तट के पास समुद्र में बह आकर आए कंटेनर के टूटने से ये छर्रे बहे हैं। इस कंटेनर को विशेषज्ञों की टीम ने बरामद कर कूथुकुड़ी में कस्टम विभाग को आगे जांच के लिए सौंप दिया। कन्याकुमारी के कलेक्टर अलागुमीना के मुताबिक अभी तक 858 बैग नर्डल्स एकत्रित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग 25 किलोग्राम है। अकेले सोमवार को ही 248 बैग एकत्र किए गए।सके पहले, केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के तीन समुद्री तट – कोचकुहल्ली, वेली, थुंबा और वेट्टुक्काड – पर भी

इसका प्रकोप देखा जा चुका है। इसके अलावा, कोल्लम और अलाप्पुझा के कई तटीय गांव भी इससे सफेद हो गए हैं, और आम लोग स्वयंसेवक के रूप में उनकी सफाई कर रहे हैं। प्लास्टिक के छोटे-छोटे छर्रे अब गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर रहे हैं। इनसे उत्पन्न प्रदूषण लंबे समय तक जहर के समान रहता है। इनके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों में आवासीय पर्यावरण का प्रदूषण, इनके माइक्रो और नैनो प्लास्टिक में टूटना और खाद्य शृंखला में प्रवेश करना शामिल है।

मैंग्रोव, प्रवाल भित्तियां और कीचड़ वाले तट जैसे तटीय पारिस्थितिकी तंत्र विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्लास्टिक के कण जड़ों को ढक सकते हैं और ऑक्सीजन के आदान-प्रदान को रोक सकते हैं, जिसे पारिस्थितिकविद 'पारिस्थितिक मृत' क्षेत्र कहते हैं –ऐसे क्षेत्र जहां जीवन वापस आने के लिए संघर्ष करता है। समुद्री जीव जैसे व्हेल, मछलियां और कछुए प्लास्टिक के कचरे को अपना शिकार समझकर खा लेते हैं। इस प्रकार पेट में प्लास्टिक भरे होने की वजह से वे अंदरूनी चोटों का शिकार होते हैं। यह माइक्रोप्लास्टिक जलीय जीवों के शरीर के अंदर प्रवेश कर जाता है और फिर जलीय जीवों के माध्यम से हमारी फूड चेन का हिस्सा बन जाता है। जिस जीव के शरीर में ये सूक्ष्म कण जमा हो जाते हैं, यदि उसे कोई इंसान खाएगा, तो वही प्लास्टिक उसके अंगों में भी प्रवेश कर सकता है। हाल ही में मुंबई के समुद्री तटों और श्रीलंका से सटी हिन्द महासागर की सीमा पर प्लास्टिक नर्डल्स का आतंक देखा जा चुका है, और कई तकनीकें इसके समुद्र में गहरे प्रभाव को रोकने में असमर्थ रही हैं। इस खतरे को देखते हुए केरल और तमिलनाडु सरकारों ने कंटेनर के आसपास के इलाकों में मछली पालन पर रोक लगा दी है, जो एक बड़ा आर्थिक और सामाजिक तनाव का कारण बन रहा है। फिलहाल भारत के दक्षिणी समुद्री तट पर मंडरा रहा यह संकट पर्यावरण के साथ-साथ लाखों लोगों की रोजी-रोटी से भी जुड़ा है। प्लास्टिक कचरे के कारण हाल ही में उस इलाके से पकड़ी गई मछलियों के खरीदार नहीं मिल रहे। विदित हो कि केरल में 2022-23 में कुल समुद्री उत्पादन 6.90 लाख टन था, जो 2023-24 में घटकर 5.8 लाख टन हो गया। इस कमी के बावजूद, केरल अभी भी समुद्री मछली पकड़ने में देश में दूसरे स्थान पर है। यह मछली प्रजनन का चरम काल है और इस समय प्लास्टिक का प्रदूषण इस पर बुरा असर डालता है।

उल्लेखनीय है कि नर्डल्स के दाने मुख्य रूप से पॉलीथीन, पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीस्टाइरीन और पॉलीविनाइल क्लोराइड जैसे विभिन्न पॉलिमरों से निर्मित होते हैं। बुनियादी पॉलिमर के अलावा, नर्डल्स में हानिकारक रसायनों का एक मिश्रण होता है, जिसमें थैलेट्स, बिस्फेनॉल ए (बीपीए), लौ रिटार्डेंट, ऑर्गेनोटिन, भारी धातुएं और पीएफएएस शामिल हो सकते हैं।स्पष्ट हो चुका है कि ये 'गायब नहीं होते' और टूटने में 100 से 1,000 साल लगते हैं। सारी दुनिया के समुद्र इसके कारण हैरान और परेशान हैं। इसके बावजूद, इसे अभी भी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन द्वारा खतरनाक सामग्री के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। केरल के तट पर हुई इस दुर्घटना के बाद समय आ गया है कि भारत विश्व समुदाय के सामने समुद्री जहाजों में इस जहरीले नर्डल्स के परिवहन पर रोक लगाने और इसके विकल्प के बारे में आवाज़ उठाए।

– साभार

हर व्यक्ति को प्रकृति से कुछ ना कुछ सीखने को मिलता है।

निशाना

है अंदर ये रार !

कौन बनेगा दूल्हा ?
है अंदर ये रार ।।
अंदरखाने लगता है ।
हैं सब खबरदार ।।
आई बात निकल कर ।
किसको ये सौगात ?
शुरू हुआ है मंथन ।
सब लगे दिन रात ।।
वर्तमान में लेकिन ।
है बदला व्यवहार ।।
धीरे धीरे बैठकें भी ।
हैं लेनी आकार ।।
रुठना मनाना भी ।
चले शायद खेल ।।
आ रहा शिगूफा ।
खा रहा सब मेल ।।

कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1456 हैलीस कॉमेट के पेरीहेलियन का 23 वां रिकॉर्ड यह कश्मीर में भी दर्ज किया गया था और संस्कृत के कवि, श्रीवरारा द्वारा बहुत विस्तार से चित्रित किया गया था। हैली का धूमकेतु एक छोटी अवधि का धूमकेतु है जिसे 75-76 वर्षों के अंतराल में नग्न आंखों से देखा जा सकता है।
- 1534 जैक्स कार्टियर सेंट लॉरेंस की खाड़ी और सेंट लॉरेंस नदी के तट का नक्शा बनाने वाला 1 यूरोपीय बन गया। वह एक फ्रांसीसी खोजकर्ता था जिसने दावा किया कि फ्रांस के लिए अब कनाडा क्या है।
- 1534 वर्चस्व का अधिनियम इंग्लैंड द्वारा लागू किया गया था। यह अधिनियम एक कानून था जिसने इंग्लैंड के राजा को शाही वर्चस्व प्रदान किया था, जिसका अर्थ है कि सम्राट / महारानी को इंग्लैंड के चर्च का सर्वोच्च प्रमुख घोषित किया गया था।
- 1716 महान सिख सैन्य कमांडर बंदा बहादुर को मुगलों ने मार डाला था। बंदा बहादुर को मुगल साम्राज्य से लड़ने, जमींदारी व्यवस्था को खत्म करने, सिरहिंद में वज़ीर खान को मारने और खालसा पंथ का पोषण करने के लिए याद किया जाता है।
- 1720 स्वीडन और डेनमार्क ने स्टॉकहोम की तीसरी संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1720 स्वीडन और डेनमार्क के बीच तीसरे स्टॉकहोम संधि पर हस्ताक्षर किये गये।
- 1732 जेम्स ओलेथोर्पे को सवाना और अल्तमहा नदियों के बीच प्रांतो जॉर्जिया के लिए एक शाही चार्टर प्रदान किया गया था।
- 1732 जेम्स ओग्लेथॉरप को जॉर्जिया की कॉलोनी के लिए एक शाही चार्टर प्रदान किया गया।
- 1752 फ्रेंच सेना त्रिचीपॉली में ब्रिटिशों के सामने आत्मसमर्पण किया।
- 1772 नेविगेशन अधिनियमों के खिलाफ अवहेलना के एक मामले में, अब्राहम व्हिपल के नेतृत्व में अमेरिकनपात्रियोट्स ने ब्रिटिश स्कूनरगैनी पर हमला किया और जला दिया।
- 1772 क्रांतिकारी युद्ध का पहला नौसैनिक हमला प्रोविडेंस, रोड आइलैंड में हुआ।
- 1790 वेल्स में मिलफोर्ड हेवन के बंदरगाह की स्थापना के लिए रॉयल सहमति दी गई।
- 1807 पोर्टलैंड के ड्यूक ने यूनाइटेड किंगडम के आम चुनाव जीता।
- 1815 नेपोलियन की हार के बाद वियना की कांग्रेस ने राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया।
- 1815 लग्जमबर्ग फ्रांस के कब्जे से आजाद हुआ।
- 1833 दुबई को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता मिली।
- 1851 सतर्कता रूपों की एस एफ समिति (पहली बार) स्थापित की गयी।
- 1856 मॉर्मन के अग्रदूतों ने आयोवा सिटी, आयोवा को छोड़ना शुरू कर दिया, और पश्चिम की ओर जाने वाले साल्ट लेक सिटी, उटाह को छोड़ दिया, जहां वे दो पहिया वाहनों में अपनी सारी संपत्ति ले गए।
- 1862 अमेरिकी सिविल वॉर-कन्फेडरेट जनरल स्टोनवेल जैक्सन ने पोर्ट रिपब्लिक की एक लड़ाई इंतेहाई लड़ाई के साथ अपने सफल शेनडोना घाटी अभियान का समापन किया।

अवैध उत्खनन-परिवहन और भंडारण के विरुद्ध कार्यवाही जारी

खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही

8 ट्रेक्टर-ट्रॉली और 4 डम्पर किए गए जप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है।

खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा 01 जून को रेत का अवैध परिवहन करते हुए ग्राम-कजलास से 02 ट्रेक्टर ट्राली एवं ग्राम-कोठरा से 01 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त किया गया। 04 जून 2025 को ग्राम-सोनखेड़ी से 01 ट्रेक्टर ट्राली, 05 जून 2025 को ग्राम-शाहपुर से 01 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त कर पुलिस थाना की अभिरक्षा में रखा गया है। 06 जून 2025 को ग्राम-मोहासा से 01 डम्पर को मिट्टी का अवैध उत्खनन करते, ग्राम-डोंगरवाड़ा तहसील - नर्मदापुरम से रेत का अवैध परिवहन करते हुए 01 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त किया गया है। 07 जून 2025 को नर्मदापुरम में 03 ओवरलोड डम्पर क्रमांक- एम.पी.38एच0360, एम.पी.04एच.ई.5691, आर.जे. 17 जी.व्ही. 1117 एवं 08 जून 2025 को करवला घाट से रेत का अवैध परिवहन

करते हुए 01 ट्रेक्टर ट्राली एवं भोपाल तिराहा से पत्थर / मुरूम का परिवहन करते हुए 01 ट्रेक्टर ट्राली जप्त कर सुरक्षार्थ पुलिस थाने में खड़ा कराया गया है।

कार्यवाही में श्रीमती नीता कोरी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), दिवेश मरकाम, खनि अधिकारी नर्मदापुरम, पिंकी चौहान, खनि निरीक्षक, कृष्णकांत सिंह परस्ते, प्र0 खनि निरीक्षक एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा।

उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 को होंगे कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है। वर्ष 2015 से संपूर्ण विश्व में योग के प्रति उत्साही भागीदारी देखी गई है। इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूरा हो रहा है, इस अवसर पर वृहद रूप से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के साथ-साथ काउन्टडाउन एवं अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे। तत्संबंध मे अवर सचिव मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग सचिन्द्र राव ने बताया कि 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग (Yoga for One Earth, One Health) है। सामूहिक योग कार्यक्रम प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों, विकासखंडों और पंचायतों में आयोजित किए जाएंगे। जिसमें सभी शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। जिले के जनप्रतिनिधि, जैसे कि मंत्री, सांसद, विधायक और महापौर, इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। आयोजन स्थल पर पर्याप्त संख्या में योग प्रशिक्षक उपलब्ध कराए जाएंगे। आयोजन स्थल पर निर्बाध विद्युत प्रवाह, ध्वनि विस्तारक यंत्र और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। सामूहिक योग कार्यक्रम में प्रातः 06.00-06.30 स्थानीय कार्यक्रम और माननीय जनप्रतिनिधियों का उद्बोधन, प्रातः 06.30-06.40 भोपाल से मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण, प्रातः 06.40-07.00 विशाखापट्टनम से प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण एवं प्रातः 07.00-07.45 सामान्य योग प्रोटोकॉल का योगाभ्यास किया जाएगा।

विभाग ने जारी किये नए दिशा-निर्देश

स्कूल शिक्षा विभाग ने किया अधिकारियों-कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति में संशोधन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग की राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति-2022 की कण्डिकाओं में शिथिलता प्रदान करते हुए संशोधित आदेश जारी किये गये हैं। यह प्रशासकीय स्थानांतरण संबंधी अधिकार 7 से 16 जून की अवधि में जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री को प्रत्यायोजित किये गये हैं।

जिला स्तर पर स्थानांतरण की अवधि में जिला संवर्ग में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के शासकीय सेवकों, जिनमें प्राथमिक शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक (विज्ञान), सहायक शिक्षक (विज्ञान), प्रधानाध्यापक प्राथमिक शाला, लिपिकीय वर्ग संवर्ग तथा भृत्य संवर्ग के लोक-सेवकों का जिले के भीतर स्थानांतरण जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद किया जायेगा। विभागीय स्थानांतरण नीति-2022 के प्रावधानों का पालन करते हुए ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से जारी किये जायेंगे। स्थानांतरण आदेश पोर्टल पर जिला कलेक्टर की लॉगिन से अनुमोदन उपरांत जिला शिक्षाधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर से जारी होंगे। कोई भी आदेश ऑफलाइन जारी नहीं किया जायेगा।

जिले में 10 से कम नामांकन वाली किसी भी शाला में किसी भी शिक्षक का स्थानांतरण नहीं किया जायेगा। पारस्परिक स्थानांतरण समान पद एवं विषय होने पर ही किये जा सकेंगे, किन्तु 31 मई, 2025 से एक वर्ष की समयावधि में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों का पारस्परिक स्थानांतरण नहीं किया जा सकेगा। आदेश में प्रदर्शित किये गये संवर्ग को छोड़कर शेष संवर्गों में प्रशासकीय स्थानांतरण राज्य स्तर से ही किये जा सकेंगे।

समय-सारणी जारी

एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी किये जाने के लिये विभाग ने समय-सारणी नियत की है। स्थानांतरण किये जाने की अवधि 16 जून नियत की गयी है। स्थानांतरण के लिये प्रशासकीय प्रस्ताव 14 जून तक दर्ज किये जा सकेंगे। ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी करने का कार्य 16 जून तक ही किया जा सकेगा। विभाग द्वारा उक्त आदेश समस्त जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण और जिला शिक्षाधिकारी को जारी किये गये हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत सीईओ ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शनिवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम, टी. प्रतीक राव द्वारा ग्राम पंचायत केसला, चौकीपुरा एवं मोरपानी में जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान श्री राव ने ग्राम पंचायत केसला पहुंचकर डगवेल रिचार्ज कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा कर अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात वे ग्राम चौकीपुरा पहुँचे, जहाँ अमृत सरोवर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया तथा सरोवर के रख-रखाव में सहभागिता का आह्वान किया। सीईओ श्री राव ने ग्राम मोरपानी पहुंचकर, खेत तालाब निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली एवं सुनिश्चित किया कि यह कार्य कृषि सिंचाई सुविधा में कारगर सिद्ध हो।

इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। श्री राव ने अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए जनसहभागिता को अत्यंत आवश्यक बताया एवं सभी को अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

नर्मदापुरम जिले में विभिन्न खेलों के लिए टेलेन्ट सर्च का आयोजन

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश खेल अकादमी भोपाल के निर्देशानुसार नर्मदापुरम जिले में विभिन्न खेलों के लिए टेलेन्ट सर्च का आयोजन किया जा रहा है। तत्संबंध में जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया कि टेलेन्ट सर्च का आयोजन मध्य प्रदेश राज्य महिला हॉकी अकादमी का गत दिवस हॉकी टर्फ मैदान महिला जेल के पीछे नर्मदापुरम में किया गया था। इसी प्रकार मध्य प्रदेश राज्य पुरुष हॉकी अकादमी का आज गांधी मिनी स्टेडियम इटारसी में, हॉकी फीडर सेंटर पुरूष नर्मदापुरम एवं खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर का आज हॉकी टर्फ मैदान महिला जेल के पीछे नर्मदापुरम में एवं हॉकी फीडर सेंटर (पुरुष/महिला) इटारसी का 10 जून सुबह 06.30 बजे से गांधी मिनी स्टेडियम इटारसी में तथा एमपी ट्रायथलॉन अकादमी का 9 जून सुबह 7 बजे से डॉल्फिन अकादमी बुधवाडा रोड नर्मदापुरम में तथा वाटर स्पोर्टस (सेलिंग, क्याकिंग, केनोइंग) अकादमी मप्र राज्य वाटर स्पोर्टस अकादमी का 20 जून को शाम 04 बजे से हॉकी टर्फ मैदान में किया जाएगा।

विश्व हिन्दू परिषद की जिला बैठक हुई आयोजित

हमारा सौभाग्य है कि हमें ईश्वरीय कार्य करने का अवसर मिला है: मलखान सिंह

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

विश्व हिन्दू परिषद की जिला बैठक रविवार दोपहर बालाजी नगर स्थित जिला कार्यालय अशोक भवन में संपन्न हुई बैठक का शुभारंभ श्री राम दरबार के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर संगठन की आचार पद्धति से किया गया। इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए प्रांत सह मंत्री मलखान सिंह ठाकुर ने कहा कि संगठन का कार्य ईश्वरीय कार्य है, हमारा सौभाग्य है कि हमें ईश्वरीय कार्य करने का अवसर मिला है चाहे राम मंदिर निधि समर्पण अभियान हो, चाहे अक्षत वितरण अभियान हो या फिर गौमाता कि रक्षा, कन्या रक्षा इत्यादि अनेक कार्य करने का निमित्त हम बने हैं यह बिना ईश्वर की कृपा के संभव नहीं है इसीलिए हमें पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ यह कार्य करना चाहिए।

विभाग मंत्री दौलत लौंगवानी ने आगामी त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम, कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग, बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा आदि पर विस्तृत चर्चा कर इनकी रूपरेखा बताई।

विभाग सह मंत्री चंद्रभान सिंह बघेल ने संगठन के विविध आयाम और उनके कार्यों के बारे में विस्तार से समझाया।

जिला मंत्री अभिषेक शर्मा गुरूजी ने पूर्व कार्यक्रमों की समीक्षा कर वृत्त प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख सुनील यादव, प्रांत सह मंदिर अर्चक पुरोहित प्रमुख पंडित मुन्ना लाल शास्त्री, समरसता प्रांत टोली सदस्य डॉ सी.एस शर्मा, जिलाध्यक्ष संदीप नेमा, विभाग समरसता प्रमुख राकेश सक्सेना, विभाग विशेष संपर्क प्रमुख नितिन सक्सेना, विभाग सह समरसता प्रमुख केशव हाडा, जिला कोषाध्यक्ष हरिशंकर झा, जिला सह मंत्री डॉ सरित श्रीवास्तव, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सत्यम दुवे बावली, बजरंग दल जिला संयोजक जगदीश शाक्य, जिला सह संयोजक द्वय मंजीत तिवारी एवं अन्नू यादव, जिला मंदिर अर्चक पुरोहित सह प्रमुख विनोद शर्मा, जिला गौरक्षा प्रमुख टोनी अहिरवार, जिला विद्यार्थी प्रमुख लालचंद कुशवाहा, जिला सुरक्षा प्रमुख राजकुमार विश्वकर्मा, जिला सत्संग प्रमुख सतीश सोनी, बासौदा नगर अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, नगर मंत्री संजय सिलावट, नगर संयोजक भजन प्रजापति, रामराज झा, गौरव नामदेव सहित सभी 10 प्रखंडों से प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने गौ सेवा कर मनाई ईद

गंजबासौदा। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ द्वारा ईद के अवसर पर गौ सेवा के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में गौवंश को हरा चारा, चना व गुड खिलाया गया। इस अवसर पर गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने बताया हर साल ईद के अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच पूरे देश मे गौ सेवा के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है इसके अंतर्गत गौ दान, गौ वंश को हरा चारा, गुड और चना तथा गौ दुग्ध शरबत वितरण कार्य किए जाते है। कादरी ने बताया ईद-उल-अज़हा जिसे आम बोलचाल में बकरीद के नाम से जाना जाता है। भारतीय समाज में यह केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं रह गई है, बल्कि यह आज के समय में आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और साझेदारी के नए प्रतिमान स्थापित करने वाला पर्व बन चुका है। यह त्योहार इस्लामी आस्था की नींव पर खड़ा ज़रूर है, लेकिन इसकी जड़ें भारत की मिट्टी में समरसता, सह-अस्तित्व और सहयोग की भावना से सींची जाती हैं।

जिला चिकित्सालय में विश्व क्लब फुट दिवस कार्यक्रम मनाया गया

नर्मदापुरम। सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार एवं सिविल सर्जन डॉ सुनीता कामले जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में क्लबफुट माह के अंतर्गत जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम मे क्लबफुट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ अनिल बडुके उपस्थित रहे साथ ही डीईआईसी मैनेजर कविता साल्वे, फिजिओथेरेपिस्ट डॉ अपेक्षा कानूनगो

, नर्सिंग आफिसर मोनिका दास, ओ टी टेक्नीशियन सुप्यार सिंह खापरे के साथ साथ अनुष्का फाउंडेशन फॉर एलिमिनेशन क्लबफुट से अभिषेक रैकवार द्वारा कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञों द्वारा चिन्हित बच्चों का उपचार किया गया। अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ अनिल बडुके के द्वारा जानकारी आम जनता को साझा की गयी है की प्रति शुक्रवार जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम के ट्रामा सेंटर मे क्लब फुट का उपचार किया जाता है। विस्तृत जानकारी के लिए क्षेत्रीय आरबीएसके टीम अथवा जिले में समर्पण केंद्र में संपर्क किया जाएगा।

खेत तालाब एवं डगवेल रिचार्ज में सीहोर जिला 16वें स्थान पर

सीहोर , दोपहर मेट्रो

कलेक्टर बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन के मार्गदर्शन में सीहोर जिला जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियां निरंतर प्रगति कर रहा हैं। अभियान के तहत जिले में अनेक जल संरक्षण संबंधी निर्माण एवं गतिविधियां चलाई जा रही हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत तालाब निर्माण एवं डगवेल रिचार्ज में सीहोर जिला जो कि प्रदेश में

50वें स्थान पर था, अब 16वें स्थान पर आ गया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन द्वारा सीहोर जिले को टॉप 05 जिलों में शामिल कराने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

अभियान के तहत सीहोर जिले को 1626 खेत तालाब निर्माण का लक्ष्य दिया गया था जिसमें से जिले में 1443 खेत तालाबों का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है जो प्रगतिरत है। इसी प्रकार जिले को 2600 डगवेल रिचार्ज निर्माण का लक्ष्य दिया गया था, जिसमें से जिलेभर में 2400 डगवेल रिचार्ज निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया है, जो जल्द ही पूर्ण हो जाएगा। पिछले वर्ष में एनआरएम से संबंधित 226 कार्य पूर्ण कराए जा चुके हैं।

मेट्रो एंकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रारंभ किए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान

ग्राम रिछेड़ा एवं तरोनकला में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पिपरिया ब्लॉक के ग्राम रिछेड़ा एवम् तरोनकला में आज विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रारंभ किए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान के 11वें दिन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अटारी जबलपुर के निदेशक डॉ. एस. आर. के. सिंह ग्राम पंचायत रिछेड़ा में विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और समाधान सुझाए।

डॉ. सिंह ने किसानों को कृषि से जुड़ी नवीनतम तकनीकों तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में सतत प्रयासरत है और इस तरह के अभियान उसी का एक सशक्त उदाहरण हैं। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार गर्ग ने किसानों को संतुलित उर्वरक प्रयोग की महत्ता पर प्रकाश

डाला। उन्होंने बताया कि फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने में संतुलित उर्वरक की भूमिका महत्वपूर्ण है और अनावश्यक रासायनिक खाद के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। सहायक संचालक कृषि गोविंद मीणा ने उपस्थित किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्राकृतिक खेती अभियान, फसल बीमा योजना आदि की जानकारी दी और उन्हें इन योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में सस्य वैज्ञानिक डॉ. राजेन्द्र पटेल ने खरपतवार प्रबंधन पर उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खरपतवार से फसल की वृद्धि और उत्पादन में कमी आती है, अतः समय पर उसका प्रबंधन करना आवश्यक है। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक विधियों से खरपतवार नियंत्रण के तरीके भी बताए। कृषि विभाग से वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी निराली आर्य द्वारा प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना, मिट्टी परिक्षण के महत्व एवं अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई इस अवसर पर कृषि यंत्री पावरखेड़ा से शोभित ठवरे ने कृषि यंत्रों से जुडी योजनाओं की जानकारी दी. साथ ही पशुपालन अधिकारी डॉ मनीष यादव ने पशुपालन से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी जिसमें पशु क्रेडिट कार्ड की जानकारी दी। कार्यक्रम में उद्यानिकी विभाग से वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी हीरेश पटेल द्वारा विभाग में संचालित फल क्षेत्र विस्तार, सब्ज़ी क्षेत्र विस्तार , प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के बारे में विस्तार से बताया गया. किया जाएगा।

अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं मैरिज गार्डन

पार्किंग व्यवस्था न होने से आए दिन लगता है जाम, आमजन परेशान

प्रशासन मेहरबान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर तारो तरफ अवैध रूप मैरिज गार्डन संचालित हो रहा है। इनकी जानकारी होने के बाद भी प्रशासन के जिम्मेदारियां अधिकारियों के द्वारा कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति कर दी जाती है। इस वजह से इन पर कोई बंदिश नहीं लग पा रही अपनी मनमर्जी से यहां संचालित हो रहे हैं। शहर में संचारित होने वाले अधिकांश गार्डन के पास वाहन पर्किंग की व्यवस्था नहीं होने से आम जनता को परशानी का सामना करना पडता है। गार्डन आने वाले लोग सड़क के दोनों तरफ वाहनों को खड़ा कर देते हैं इस वजह से जाम की स्थिति निर्मित होती है। शहर के मुख्य मार्गों पर संचालित होने वाले मैरिज गार्डन और भी ज्यादा समस्या उत्पन्न होती है जिस दिन यहां पर शादी होती उस दिन रात्रि में इन मार्गों से निकलना मुश्किल होता है। घंटो जाम के कारण वाहन चलाने की जगह पर रेंगते हुए नजर आते हैं। सबसे बड़ी समस्याएं होती की जाम सब फंस जाते है एंबुलेंस गाड़ी भी नहीं निकाल पाती है इसकी जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदारी अधिकारी इस ध्यान नहीं दे रहे हैं। विगत में पहले कुछ गार्डन को सील करने की करवाई करके खाना पूर्ति कड़ी थी अगले दिन ही इनमें आयोजन संपन्न हो रहे थे। इस वजह से इनकी मनमानी से आम जनता परेशानी रही नगर पालिका प्रशासन से लेकर एसडीएम के द्वारा भी इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। समय रहते धरातल पर कदम नहीं उठाए गए तो किसी दिन गार्डन दुर्घटना भी घटित हो सकती है शायद उसके बाद ही जिम्मेदारी कार्रवाई करने के लिए धरातल पर कदम उठाएंगे। पिछले दिनो एक शादी में लिंक रोड पर जाम 2 घंटे तक लग रहा था इस वजह से एंबुलेंस भी नहीं निकाल पाई थी ऐसी तस्वीर आए आए दिन सामने आती है।

पुरानी रंजिश के चलते की थी मारपीट, इलाज के दौरान मौत

पथरिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के 2 आरोपियों को किया अरेस्ट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज तहसील के ग्राम थाना पथरिया पुलिस ने हत्या के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फरियादी सुनील अहिरवार द्वारा दिनांक 26/5/2025 को सूचना दी गई थी कि उसके भाई हरिसिंह को ग्राम थनरपुर में पुरानी रंजिश के चलते अशोक अहिरवार एवं हलकई अहिरवार ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सिर,पेट एवं हाथों में गंभीर चोट आने पर घायल को पहले सिरोंज अस्पताल तथा बाद में हमीदिया अस्पताल भोपाल रेफर किया गया।

प्रारंभ में थाना पथरिया में अपराध क्रमांक 79/25 धारा 115(2), 351(2), 296, 3/5 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। इलाज के दौरान दिनांक 2.6.25 को हरिसिंह की मृत्यु हो जाने पर प्रकरण में धारा 103(1) बीएनएस का इजाफा किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन

एसपी रोहित काशवानी एवं एएसपी प्रशांत चौबे के निर्देश पर,एसडीओपी अनूप सिंह नैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पथरिया एवं टीम ने सक्रियता से आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपी

1. अशोक अहिरवार पिता उद्यम अहिरवार, उम्र 30 वर्ष।
2. हलकई उर्फ मोहन पिता उद्यम अहिरवार, उम्र 26 वर्ष।

विशेष भूमिका

थाना पथरिया प्रभारी उपनिरीक्षक ऋतुराज सिंह, उपनिरीक्षक गौरव रघुवंशी (सायबर सेल), सहायक उपनिरीक्षक विजय सिंह, सहायक उपनिरीक्षक मोहम्मद शाहिद खान, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र शर्मा, आरक्षक अंकुश, आरक्षक शुभेन्द्र, आरक्षक सोनू, आरक्षक रवि की तत्पर एवं त्वरित कार्रवाई में सराहनीय भूमिका रही।

थाना कोतवाली पुलिस की प्रभावी कार्रवाई, 75 हज़ार के 5.6 किलोग्राम गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

एसपी काशवानी के निर्देशन में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाया जा रहा है अभियान

सिरोंज। थाना कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए एक आरोपी से 5 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया जिसकी अनुमानित कीमत 75 हज़ार रुपए है।

वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन – यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के आदेशानुसार,पुलिस महानिरीक्षक अभय सिंह तथा उप पुलिस महानिरीक्षक ओ.पी. त्रिपाठी के निर्देशन में,पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे नशीले पदार्थों के विरुद्ध अभियान अंतर्गत विशेष टीम गठित कर यह कार्रवाई की गई।

दिनांक 8 जून 2025, समय लगभग रात्रि 4.15 बजे, मेडिकल कॉलेज के पीछे विदिशा में दबिश देकर मुलायम रैकवार निवासी शेरपुरा को गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरा आरोपी रवि मालवीय (निवासी चुंगी नाका अहमदपुर रोड) फरार है। आरोपी के कब्जे से कपड़े की थैली में रखा गांजा बरामद किया गया। कोतवाली पुलिस द्वारा इस मामले में अपराध क्रमांक 454/25 धारा 8/20, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

विशेष भूमिका - निरीक्षक आनंद राज, उपनिरीक्षक रणवीर सिंह, एएसआई मलखान सिंह, आरक्षक होम सिंह, भूपेन्द्र कुर्मी, आकाश राणा, अरविंद पाठक, नंदराम व रणवीर सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

टाइगर रिजर्व में कुलांचे भर रहे काले हिरण, बाघों और चीतों के लिए आहार में नहीं होगी दिक्कत

टाइगर रिजर्व में भारी मात्रा में दिखाई दे रहे हैं काले हिरण रिजर्व में ग्रॉसलैड बढ़ने से बढ़ रही जानवरों की संख्या

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व में विस्थापन के बाद खाली हुए गांवों में घास के मैदान विकसित हो गए हैं, जिससे यहां शाकाहारी जानवरों की तादाद बढ़ रही है टाइगर रिजर्व प्रबंधन के प्रयासों का नतीजा है कि विस्थापित गांवों की खाली हुई खेती की जमीन में घास के मैदान विकसित किए गए. जिसके कारण खासकर काले हिरण की तादाद तेजी से बढ़ रही है. नौरादेही टाइगर रिजर्व में पहुंचने वाले सैलानियों को कुलांचे भरते काले हिरण आकर्षित कर रहे हैं. खास बात ये है कि ये बाघ और भविष्य में चीता संरक्षण के उद्देश्य से शुभ संकेत माने जा रहे हैं

कुलांचे भरते हुए कैमरे में कैद हुए काले हिरण

टाइगर रिजर्व पहुंचने वाले सैलानियों को काले हिरण झुंड में नजर आ रहे हैं. पिछले दिनों अपने परिवार के साथ यहां पहुंचे वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने काले हिरण की कुछ फोटो

और उनका मस्ती से घास चरने का एक वीडियो बनाया था वीडियो में काले हिरण मस्ती से नौरादेही के ग्रॉसलैंड का आनंद लेते नजर आ रहे हैं. अजय दुबे का कहना है कि

काले हिरण ज्यादातर खेत खलिहान के आसपास रहते हैं. इनकी उपस्थिति जंगल के लिए शुभ संकेत है, ये दुर्लभ प्रजाति के हैं यहां पर शाकाहारी जानवरों की संख्या बढ़ना बाघों के संरक्षण के लिए भी एक अच्छा संकेत है।

टाइगर रिजर्व में तेजी से बढ़ रही जानवरों की संख्या

किसी भी टाइगर रिजर्व के फलने-फूलने के लिए बड़े घास के मैदान काफी जरूरी होते हैं. क्योंकि बड़े घास के मैदान होंगे, तो शाकाहारी जानवरों की संख्या काफी होगी और वो बाघ जैसे मांसाहारी जानवरों के पर्याप्त भोजन के लिए एक बेहतर व्यवस्था मानी जाती है. नौरादेही टाइगर रिजर्व की बात करें तो भले ही इसे टाइगर रिजर्व का दर्जा 20 सितंबर 2023 को मिला हो, लेकिन 2010 में अफ्रीकन चीतों को लेकर हुए सर्वे के चलते यहां 2014 में विस्थापन की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी थी अभी भी कुछ बड़े गांवों की विस्थापन की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन जिले में काफी गांव विस्थापित होने के बाद यहां पर खाली हुई खेती की जमीन पर ग्रासलैंड विकसित किए गए हैं. इसका नतीजा ये हुआ कि यहां पर शाकाहारी जानवरों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है और काले हिरण काफी ज्यादा संख्या में नजर आ रहे हैं।

काले हिरण की संख्या बढ़ने से प्रबंधन खुश

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. ए ए अंसारी का कहना है कि टाइगर रिजर्व में काले हिरण के नजर आने का प्रमुख कारण बड़े-बड़े ग्रासलैंड का विकास होना है. टाइगर रिजर्व के आसपास से जो गांव विस्थापित किए गए हैं, वहां पर ग्रासलैंड को विकसित किया गया है. फिलहाल करीब 6-7 प्रतिशत ग्रासलैंड है, लेकिन हमारा उद्देश्य इसको 12 प्रतिशत तक ले जाना है इस समय नौरादेही में कई बड़े-बड़े ग्रासलैंड हो गए हैं. काला हिरण बड़े घास का मैदान पसंद करता है. यहां पर काले हिरण का नजर आना अच्छा संकेत हैं. यहां पर काला हिरण और भेड़ियों का एसोसिएशन है, जोकि काफी अच्छी बात है. इससे इकोसिस्टम को संरक्षित कर हम आगे बढ़ पाएंगे, तो ये बहुत बड़ी उपलब्धि है।

क्यों जरूरी है घास के मैदान

किसी भी जंगल या संरक्षित वन के लिए घास के मैदान बहुत महत्वपूर्ण होते हैं ये मिट्टी और जंगल के जल स्त्रोतों के संरक्षण के साथ जीव-जंतुओं के लिए आवास प्रदान करते हैं. इसके साथ ही जंगल में रह रहे शाकाहारी जानवरों का भोजन होते हैं. इसके अलावा इनके आवास, प्रजनन और आराम के लिए भी जरूरी होते हैं. इसी को ध्यान में रखकर नौरादेही में तेजी से ग्रासलैंड विकसित किया जा रहा है. पिछले दिनों भारतीय वन्यजीव संस्थान के विशेषज्ञों ने यहां चीता बसाने के लिए सर्वे किया था और उन्होंने भी प्रबंधन को घास के मैदान बढ़ाने के निर्देश दिए थे।

भारतीय शक्ति चेतना पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष का नगर आगमन

मौजूदा राजनेता जनता के प्रति वफादार नहीं : संध्या शुक्ला

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर के पहले ही भोंडी मंदिर के पास गुरुमहिमा शक्ति साधना परिसर में राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धाश्रम रत्न संध्या शुक्ला एवं राष्ट्रीय महासचिव सिद्धाश्रम रत्न आशीष शुक्ला , सिद्धाश्रम चेतना अद्वैत के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। एवं गुरुमहिमा परिवार के एक पौधा प्रदान किया, साथ संध्या शुक्ला ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रत्येक परिवार को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए, वहीं हजारों की संख्या में विशाल रैली जबलपुर रोड हाईस्कूल से प्रारंभ होते हुए बस स्टैंड से विद्यासागर दयोदय गौ शाला प्रांगण पहुंची,

भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक् का ज़ोरदार स्वागत किया गया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव सहित प्रदेश ओर जिले के पदाधिकारी मंच पर पहुंचे। दमोह

महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष ललिता पाल ने कहा कि भारतीय शक्ति चेतना पार्टी भय, भूख,भ्रष्टाचार से मुक्त समाज के निर्माण के लिए पार्टी का गठन किया गया है,आज पार्टी की स्थापना हुए 12 वर्ष पूर्ण होने पर नगर तेंदूखेड़ा में सभा का आयोजन किया गय है।

सभा संबोधित करते हुए संध्या शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में देश के नेता न तो देश के प्रति वफादार हैं न जनता के प्रति, सत्ता में बैठी पार्टियां धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर सिर्फ़ बोट मांगने का काम करती है, इसको समाज से कोई लेना देना नहीं।

कार्यक्रम के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा गोशाला में गौ माता को पूड़ी खिलाई, कार्यक्रम का संचालन पार्टी के प्रवक्ता बाबूलाल विश्वकर्मा ने किया आभार व्यक्त भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के जिला अध्यक्ष मानक पटेल ने किया ।

छात्रावासों में प्रवेश हेतु आवेदन एमपी टास्क के माध्यम से आन लाइन आमंत्रित

विदिशा। शैक्षणिक सत्र 2025-20 में जिले में संचालित अजा-अजजा छात्रावासों में प्रदेश का संचालन एमपीटास्क के द्वारा किया जावेगा। जिला संयोजक ने बताया कि जिले में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग द्वारा जिले के छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया चालू हो गई है। सभी छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया एमपीटास मोबाईल टेबलेट से प्रवेश ओनलाईन किया जा रहा है। छात्रावास में प्रवेश हेतु प्रोफाइल पंजीयन अनिवार्य है। प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र, छात्रा अपने सम्बधित विकास खण्ड छात्रावासों के अधीक्षक से संपर्क कर प्रवेश फार्म प्राप्त कर प्रवेश हेतु सीनियर, जूनियर, महाविधालयीन , आश्रम में छात्रध्छात्रओं के लिए छात्रावास में प्रवेश प्रारंभ किये जा चुके है। इच्छुक छात्र, छात्राएँ निम्नलिखित मय-दस्तावेजों के साथ - प्रोफाइल पंजीयन, स्थाई जाति प्रमाण पत्र, उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची, बैंक खाता, आय प्रमाण पत्र, मूल निवासी, आधार कार्ड, समग्र आईडी, छात्र की दो फोटो एवं पालक के दो फोटो प्रवेश फर्म के साथ संलग्न करें। प्रवेश फार्म छात्रावासों से प्राप्त कर आययनरत संस्था प्रमुख के फार्म में हरताकर्र में सील लगाकर सम्बंधित छात्रावास में फार्म जमा करें। छात्र-छात्रा अपनी प्रोफाइल पंजीयन का कार्य अभी से पूर्ण कर ले ताकि प्रवेश प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

मेट्रो एंकर विकसित कृषि संकल्प अभियान : विदिशा जिले के ग्रामों में शिविरों का आयोजन जारी, वैज्ञानिक बन रहे सहभागी

किसानों को उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीकों, नवीन अनुसंधानों की जानकारी दी जा रही

विदिशा, दोपहर मेट्रो

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत विदिशा जिले के ग्रामों में शिविरों को आयोजन जारी है। आज नटेरन जनपद पंचायत के ग्राम दिघौनी में शिविर का आयोजन कर अभियान के उद्देश्यों को रेखांकित किया गया है। इस दौरान खरीफ पूर्व तैयारी के लिए उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीकों, नवीन अनुसंधानों एवं राज्य सरकार की योजनाओं, प्राकृतिक खेती, जल प्रबंधन फसल विविधिकरण, पशुपालन, उद्यानिकी, मछली पालन एवं कृषि यंत्रीकरण की जानकारियों से अवगत कराया गया ताकि, कृषकों की आय में वृद्धि हो और वे सतत् कृषि पद्धतियों को अपना सकें।

ग्राम पंचायत दिघौनी में भारतीय मृदा विधान संस्थान से आई वैज्ञानिक डॉ. खुशबू रानी कृषकों से खेती की समस्याओं से रूबरू हुई एवं उन्हें त्वरित आवश्यक एवं उचित निराकरण बताकर कृषकों से विकसित कृषि संकल्प अभियान में

बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की गई।

यात्रा में कृषक हो रहे वैज्ञानिकों से रूबरू

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित शिविरों के माध्यम से ग्रामीण कृषक वैज्ञानिकों से रूबरू होकर मार्गदर्शन व कृषि कार्यों में किए जाने वाले नवाचारों से अवगत हो रहे हैं आज ग्राम पंचायत दिघौनी के कृषक श्री रिंकू रघुवंशी द्वारा कृषि के साथ पशुपालन करने की क्रियाओं से वैज्ञानिक डॉ. खुशबू रानी को अवगत कराया गया है।

ग्राम पंचायत दिघौनी के कृषक श्री श्यामसुंदर माथुर द्वारा की जा रहीं कृषि क्रियाओं जैसे - पूर्ववत कर्षण क्रियाएं जिसमें मृदा स्वास्थ्य ना करवाना, उन्नत कृषि तकनीकों का ज्ञान कम होना इत्यादि के स्थान पर मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, सुपर सीडर एवं अन्य कृषि विभाग की योजनाओं के उपयोग से उत्पादन में वृद्धि की जानकारी से आईआईएसएस वैज्ञानिक डॉ खुशबू रानी को भी अवगत कराया गया। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत इसी प्रकार के शिविर ग्यारसपुर विकासखण्ड की बोरीरामपुर, लखूली एवं सियासी में तथा नटेरन जनपद के ग्राम दिघौनी, खैराई एवं नटेरन में तथा लटेरी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत रूसिया बलरामपुर और मुरारिया ग्राम पंचायत में आयोजित कर पूर्व उल्लेखित जानकारियां सांझा की गई है।

टेस्ट चैम्पियन बनने के लिए टीम इंडिया को इंग्लैंड सीरीज से ही करनी होगी तैयारी

तलाशना होगा विराट का विकल्प, नई लीडरशिप को बनाना पड़ेगा मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम 20 जून से इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेलेगी, जो उनके वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के सफर की भी शुरुआत होगी। हालांकि इस बार टीम काफी युवा और अनुभवहीन है, लेकिन इसके बावजूद टीम में ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो टीम इंडिया का सफर आसान कर सकते हैं।

इंग्लैंड का दौरा हमेशा भारतीय टीम के लिए एक बड़ी चुनौती रहा है। इस बार यह दौरा टीम के बड़े बदलाव के दौर के बीच में आ रहा है। भारत न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट सीरीज़ हार चुका है। इसलिए, अगर टीम को इस डब्ल्यूटीसी चक्र की अच्छी शुरुआत करनी है और उसे अच्छे अंजाम तक पहुंचाना है, तो टीम इंडिया को इन जरूरी चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है।

2016 से 2021 तक भारतीय टीम की टेस्ट क्रिकेट में बादशाहत का सबसे बड़ा कारण था उसका मजबूत पेस अटैक। लेकिन पिछले दो डब्ल्यूटीसी चक्रों में गेंदबाजी आक्रमण में लगातार बदलाव होते रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज़ में टीम जसप्रीत बुमराह पर ही निर्भर दिखी, जो इकलौते गेंदबाज थे जो विपक्षी बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे।

अश्विन के संन्यास से स्पिन अटैक हो सकता है कमजोर

मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी गेंदबाजों की चोटें और टीम से अंदर-बाहर होते रहने वाले गेंदबाजों ने गेंदबाजी को कमजोर कर दिया। वहीं, रविचंद्रन अश्विन के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद स्पिन अटैक भी कमजोर दिख सकता है। रविंद्र जडेजा भी अपने करियर के अंतिम दौर में हैं। ऐसे में टीम को अपना मजबूत गेंदबाजी कोर तैयार करना होगा, जो फिलहाल काफी कमजोर नजर आता है।

केएल राहुल का तय करना होगा क्रम

केएल राहुल भारतीय टीम के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक हैं। हालांकि, उनके लिए एक निश्चित बल्लेबाजी क्रम तय करना बेहद जरूरी है। राहुल को कभी ओपनिंग करते हुए देखा गया है, तो कभी मिडिल ऑर्डर में। विराट कोहली और रोहित के संन्यास के बाद अब उनका भी विकल्प तलाशना होगा। केएल टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाजों में से एक हैं, तो उनके लिए एक स्थिर क्रम तय करना जरूरी है ताकि वह अपनी विश्वस्तरीय बल्लेबाजी दिखा सकें और टीम के लिए भरपूर रन बना सकें। यह भारत के डब्ल्यूटीसी फाइनल 2027 में जगह बनाने के लिए बेहद अहम होगा।

नई लीडरशिप को मजबूत बनाना, लेकिन ज्यादा निर्भरता न रखना

भारतीय बल्लेबाजी क्रम रोहित शर्मा और विराट कोहली पर ही टिका था, लेकिन दोनों दिग्गजों के संन्यास के बाद टीम को आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए एक मजबूत लीडरशिप यूनिट की जरूरत है। शुभमन गिल को कप्तान और ऋषभ पंत को उपकप्तान और विकेटकीपर बनाया गया है। उनकी अहम भूमिका टीम के फैसलों को भारतीय टीम के पक्ष में मोड़ने में होगी। हालांकि, सिर्फ कप्तान और उपकप्तान पर ही निर्भर रहना सही नहीं होगा। क्रिकेट एक ऐसा खेल है जहां मैदान पर उतरने वाले सभी ग्यारह खिलाड़ियों की जीत-हार में जिम्मेदारी होती है। ऐसे में जूनियर खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी उठानी होगी और एकजुट होकर प्रदर्शन करना होगा ताकि टीम जीत की राह पर लौट सके।

रिंकू सिंह-सांसद प्रिया सरोज की हुई सगाई

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी रिंकू सिंह और उत्तर प्रदेश की मछली शहर सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद प्रिया सरोज की रविवार को लखनऊ में सगाई हुई। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक होटल में आयोजित भव्य सगाई समारोह में क्रिकेट, राजनीति और सिनेमा जगत की कई हस्तियां शामिल हुई। क्रीम कलर की शेरवानी पहने रिंकू सिंह और हल्के गुलाबी रंग के लहंगे में सजी प्रिया कार्यक्रम में मौजूद लोगों की मुबारकबाद और अभिवादन स्वीकार करते हुए मंच पर पहुंचे और उन्होंने एक-दूसरे को अंगूठी पहनाई। इस दौरान प्रिया खासी भावुक नजर आईं।

प्रिया सरोज के पिता और जौनपुर की केराकत सीट से सपा के विधायक और पूर्व सांसद तूफानी सरोज ने बताया कि इस अवसर पर सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव, उनकी सांसद पत्नी डिंपल यादव, पार्टी मुख्य महासचिव रामगोपाल यादव, महासचिव शिवपाल सिंह यादव, सपा सांसद अवधेश प्रसाद और मोहिबुल्लाह नदवी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, सपा राज्यसभा सदस्य अभिनेत्री जया बच्चन और पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी प्रवीण कुमार और पीयूष चावला समेत अनेक हस्तियां मौजूद थीं। प्रिया सरोज के चाचा भगवती चंद सरोज ने बताया कि इस दौरान दोनों पक्षों के परिवारों के सदस्य, रिश्तेदार और आमंत्रित विशिष्ट लोग मौजूद थे।

अयोध्या से सपा के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि उन्होंने रिंकू और प्रिया की सगाई पर उन्हें आशीर्वाद दिया। प्रसाद ने कहा कि उन्होंने परमात्मा से प्रार्थना की जिस तरह से उनका नाम पूरे देश में अपने-अपने क्षेत्र में योगदान के लिए फैला है वह और भी व्यापक रूप से फैले। प्रवीण कुमार ने रिंकू और प्रिया को सगाई की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि इस खास कार्यक्रम में शाकाहारी व्यंजन ही परोसे गये। जौनपुर की प्रसिद्ध इमरती और बनारसी आलू दम, लखनऊ की प्रसिद्ध गुलाब की ठंडी खीर और अचारी सिगार रोल विशेष रूप से मेन्यू में शामिल था। मुख्य भोजन में भारतीय व्यंजन ही बनाये गए। इस खास कार्यक्रम के मेनकोर्स में मलाई कोफ्ता, कढ़ाई पनीर और विभिन्न

यूरोप क्वालीफाइंग केन ने एंडोरा के खिलाफ इंग्लैंड को शर्मसार होने से बचाया

बार्सिलोना। एजेंसी

इंग्लैंड ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद हैरी केन के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से विश्व कप फुटबॉल के यूरोपीय क्वालीफाइंग मैच में एंडोरा पर 1-0 से जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने इस जीत से हालांकि अपना विजय अभियान जारी रखा। यह उसकी लगातार तीसरी जीत है जिससे उसके नौ अंक हो गए हैं और वह ग्रुप के में शीर्ष पर काबिज है। इंग्लैंड की टीम विश्व में 173वें स्थान पर काबिज टीम के सामने तब तक गोल नहीं कर सकी जब तक कि 50वें मिनट में नोनी मदुके के पास को केन ने गोल में नहीं बदल दिया। केन का इंग्लैंड की तरफ से यह 106 मैच में 72वां गोल था। केन ने कहा, ''हमें निश्चित रूप से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यह ऐसा प्रदर्शन नहीं है जिसे बहुत से लोग याद रखेंगे। हमें खुशी है कि हम तीन अंक हासिल करने में सफल रहे।'' अल्बानिया और सिंबया के बीच कड़ी सुरक्षा के बीच मैच गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ।

अल्बानिया तीन मैचों के बाद चार अंकों के साथ ग्रुप के में इंग्लैंड के बाद दूसरे स्थान पर है।

फ्रेंच ओपन : ग्रैनोलर्स और जेंबालोस पुरुष तो इरानी-पाओलिनी महिला युगल विजेता बने

पेरिस। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सारा इरानी और जैस्मीन पाओलिनी की इटली की जोड़ी ने पहली बार फ्रेंच ओपन महिला युगल खिताब जीता तो वहीं पुरुष युगल में मार्सेल ग्रानोलर्स और होरासियो जेबालोस की जोड़ी उम्र को धता बताते हुए चैंपियन बनी। पिछले साल की उपविजेता रही दूसरी वरीयता प्राप्त इरानी और पाओलिनी ने रविवार को अन्ना डैनिलिना और अलेक्जेंड्रा क्रुनिक को 6-4, 2-6, 6-1 से हराया। इटली की इस जोड़ी ने पिछले साल इसी स्थल पर ओलंपिक का स्वर्ण पदक जीता था।यह इरानी का महिला युगल में छठा ग्रैंड स्लैम जबकि दूसरा फ्रेंच ओपन खिताब है।

इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इससे पहले रॉबर्टा विंची के साथ एक बेहद सफल जोड़ी बनाकर अमेरिकी ओपन, विंबलडन और ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताबी जीत दर्ज की थी।

पाओलिनशानदार खिलाड़ी

इरानी के लिए यह फ्रेंच ओपन में इस साल का दूसरा खिताब है। उन्होंने इससे पहले एन्द्रा वावसोरी के साथ मिश्रित युगल खिताब भी जीता है। पाओलिनी एकल वर्ग की शानदार खिलाड़ी हैं। वह पिछले साल इस वले-कोर्ट ग्रैंड स्लैम में उपविजेता रहीं थी। पुरुष युगल में स्पेन के 39 वर्षीय ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के 40 वर्षीय जेबालोस की जोड़ी चौथी बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी और पहली बार चैंपियन बनने में सफल रही। फ्रेंच ओपन में पांचवी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने फाइनल में जो सैलिसबरी और नील स्कूप्स्की की ब्रिटिश जोड़ी को 6-0, 6-7 (5), 7-5 से हराया।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

हाउसफुल-5: अक्षय की किलर कॉमेडी ने मचाया धमाल, 2 दिन में 50 करोड़ के पार कमाई!

फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला की हिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी %हाउसफुल% फैंस की सबसे फेवरेट कॉमेडी फिल्म सीरीज में से एक है। उनकी ये फ्रेंचाइजी बॉलीवुड में सबसे सक्सेसफुल रही है, जिसका फायदा अब इसके पांचवे पार्ट यानी हाउसफुल 5 को भी मिल रहा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से बेहतर परफॉर्म कर रही है।

साजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल 5 को हर मायने में बड़ा बनाया है। सबसे पहले उन्होंने फिल्म में करीब 18 टॉप एक्टर्स को कास्ट किया। इसके बाद उन्होंने पूरी फिल्म को एक क्रूज शिप पर शूट किया। फिर कॉमेडी के साथ एक मिस्ट्री किलर का सस्पेंस भी डाला जिससे इसे देखने के लिए फैंस की एक्साइटमेंट काफी ज्यादा बढ़ गई। हाउफुल 5 को पहले दिन इसकी फ्रेंचाइजी वैल्यू का खूब फायदा मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 24 करोड़ रुपये की ओपनिंग की। हाउफुल 5 से अक्षय कुमार का बॉक्स ऑफिस स्ट्रगल भी कम हुआ। उन्होंने करीब 4 सालों के बाद बॉक्स ऑफिस पर बड़ी ओपनिंग दी। अब फिल्म के दूसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ चुका है। अक्षय की मल्टी स्टारर फिल्म को ईद की छुट्टी का फायदा मिला है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, %हाउफुल 5% ने शनिवार को करीब 30 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। फिल्म का टोटल कलेक्शन दो दिनों में 54 करोड़ पहुंच चुका है। हालांकि ये अभी शुरुआती आंकड़े हैं।

मेट्रो बाजार

अडाणी को वित्त-वर्ष 2024-25 में 10.41 करोड़ सैलरी मिली

नई दिल्ली। भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडाणी को वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10.41 करोड़ रुपए सैलरी मिली है। अडाणी को ये सैलरी समूह की 10 लिस्टेड कंपनियों में से सिर्फ दो कंपनियों से मिली। ये कंपनियां अडाणी एंटरप्राइजेज और अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन हैं। अडाणी एंटरप्राइजेज से उन्हें 2.26 करोड़ रुपए सैलरी और 28 लाख रुपए भत्तों के रूप में मिले, यानी कुल 2.54 करोड़ रुपए। वहीं अडाणी पोर्ट्स से 1.8 करोड़ रुपए सैलरी और 6.07 करोड़ रुपए कमीशन मिला। जो टोटल 7.87

करोड़ रुपए हुआ। वित्त वर्ष 2023-24 में गौतम अडाणी को 9.26 करोड़ रुपए सैलरी के रूप में मिले थे, यानी इस बार उनकी सैलरी में लगभग 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

दुनिया के 24वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं गौतम अडाणी : अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी की नेटवर्थ 5.75 लाख करोड़ रुपए है, वह दुनिया के 24वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। वहीं रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी भारत के सबसे अमीर और दुनिया के 16वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में इलॉन मस्क 33.78 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ टॉप पर हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बीते 4 सालों से कंपनी से कोई सैलरी नहीं ली है। उन्होंने कोरोना महामारी (वित्त वर्ष 2020-21) के समय से सैलरी लेना बंद कर दी थी।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों में नौ के बाजार मूल्यांकन में एक लाख करोड़ का उछाल

मुंबई। शीर्ष 10 सूचीबद्ध कंपनियों में नौ के बाजार मूल्यांकन में पिछले सप्ताह कुल 1,00,850.96 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल की। पिछले सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स सूचकांक 737.98 अंक या 0.90 फीसदी चढ़ा।

शीर्ष 10 कंपनियों में केवल टाटा कंसल्टेंसी सिंवसेज (टीसीएस) ही पिछड़ी रही। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम, बजाज फाइनेंस और हिदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड को लाभ हुआ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 30,786.38 करोड़ रुपये बढ़कर 19,53,480.09 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 26,668.23 करोड़ रुपये बढ़कर 15,15,853.85 करोड़ रुपये पर रहा। बजाज फाइनेंस ने 12,322.96 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन 5,82,469.45 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 9,790.87 करोड़ रुपये बढ़कर 10,41,053.07 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में टीसीएस का मूल्यांकन 28,510.53 करोड़ रुपये घटकर 12,24,975.89 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक मूल्यवान कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

दीपिका पादुकोण के 8 घंटे की शिफ्ट करने की मांग पर बोले राणा दग्गुबाती

कोई दबाव नहीं डालता

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण पिछले दिनों खूब सुर्खियों में रहीं। डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा संग स्पिरिट फिल्म को लेकर उनकी कॉन्ट्रोवर्सी की हर तरफ चर्चा हुई। संदीप ने दीपिका को अपनी फिल्म से बाहर कर दिया। एक्ट्रेस के फिल्म से बाहर होने की कई वजहें सामने आईं, जिसमें से एक उनकी 8 घंटे की शिफ्ट और 20 करोड़ के साथ प्रॉफिट शेयरिंग वाली बात खूब वायरल हुई। दीपिका की 8 घंटे की शिफ्ट की मांग वाली बात पर हर किसी की नजर पड़ी। एक्ट्रेस को इंडस्ट्री से लगभग हर किसी का सपोर्ट मिला। कई लोगों का मानना था कि उनकी डिमांड सही है क्योंकि वो अब एक बेटी की मां हैं। अब दीपिका की 8 घंटे की शिफ्ट वाली बात पर बाहुबली एक्टर राणा दग्गुबाती ने अपनी राय रखी है। उनका कहना है कि इंडस्ट्री में कोई आप पर 8 घंटे से ज्यादा काम करने के लिए दबाव नहीं डालता है। बातचीत में राणा ने एक्टर्स के ज्यादा टाइम सेट पर रहकर शूट करने पर कहा, %कोई भी किसी पर दबाव नहीं डालता है। ये एक काम है। ये इसी तरह है कि कोई भी आप पर एक शो करने के लिए दबाव नहीं डालता है। ये हमेशा एक चॉइस रही है। हर कोई अपनी लाइफ में क्या चीज जरूरी है उसका फैसला लेता है। कई एक्टर्स इंडस्ट्री में शामिल हैं जो सिर्फ सेट पर 4 घंटे भी काम करते हैं। ये उनका अपना सिस्टम है। राणा दग्गुबाती ने अपनी बातचीत के दौरान इंडिया में वर्क लाइफ बैलेंस जैसे मुद्दे पर भी बात की। उनका कहना है कि हमारा देश अभी पूरी तरह से डेवलप नहीं हुआ है। हमारी इकोनॉमी प्रति व्यक्ति आय के मुताबिक काफी कम है। देश की आबादी काफी ज्यादा है जिसके कारण अभी हमें और भी ज्यादा ग्रो करना है। राणा का आगे ये भी कहना है

बागसेवनिया थाने के सामने टर्निंग पाइंट पर हुआ हादसा, तीन की हालत नाजुक

तेज रफ्तार होंडा सिटी कार टर्न हो रहे ट्रक में घुसी, सगी बहनों की मौत, तीन घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाने के सामने बीती रात करीब पौने दो बजे के आसपास तेज रफ्तार होंडा सिटी कार टर्न हो ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में कार सवार दो सगी बहनों की मौत हो गई, जबकि तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए हुए है। घायलों का इलाज दो अलग अलग निजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए एम्स पहुंचा दिए है। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है। हादसे की जांच की जा रही है। एसआई गोकुल प्रसाद ने बताया कि शिखा वर्मा पिता जय प्रकाश वर्मा (29) मकान नंबर 405, रजत गोल्डन नेस्ट, कटारा हिल्स भोपाल में रहती थी। वह प्राइवेट जॉब करती थी। बीती रात करीब पौने दो बजे वह अपनी बड़ी बहन दीपाली वर्मा (32) और बेहनोई मनोराज वर्मा सहित सुयष चौहान सहित सक्षम तिवारी के साथ होटल कोर्टयार्ड गई थी। कोर्टयार्ड होटल में पार्टी करने के बाद सभी लो होंडा सिटी कार से कटारा हिल्स के लिए आ रहे थे। कार बीयू के पास से निकली थी। उस समय कार की रफ्तार 100 के पार थी। बागसेवनिया थाना के सामने चौराहा पर पहुंचते ही कार टर्न हो रहे डंपर में पीछे से जा घुसी। कार घुसते ही तेज धमाका हुआ और कार के परखच्चे उड़ गए। सामने ही थाना होने के कारण धमाके की आवाज सुनकर थाने में मौजूद पुलिसकर्मी दौड़कर मौके पर पहुंचे तो देखा कि कार बुरी तरह से चिपट गई थी। पुलिस ने कार में मौजूद सभी लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद शिखा वर्मा और दीपाली वर्मा को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि हादसे में घायल शिखा के

बेहनोई मनोराज उनके परिचित सोयष चौहान और सक्षम तिवारी का अलग अलग निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ओवरस्पीड बनी हादसे का कारण

एसआई गोकुल प्रसाद ने बताया कि कार की स्थिति देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि कार 100 किलोमीटर प्रतिघंटे से भी अधिक की रफ्तार में रही होगी। कार के दोनों एयरबैग खुलकर फट चुके थे। हादसा ओवरस्पीड के कारण हुआ है। ट्रक बागसेवनिया के थाने के बगल वाली अस्सी फीट रोड पर पहुंच रहा था। लगभग उसका पूरा हिल्सा निकल चुका था। पिछले टायर में आकर कार घुसी है।

आर्मी से रिटायर्ड हैं पिता

शिखा वर्मा और दीपाली वर्मा सगी बहनें है। शिखा वर्मा के पिता आर्मी से रिटायर्ड हैं। रिटायर्डमेंट के बाद रजत विहार में उन्होंने मकान बनाया था और परिवार के साथ रह रहे थे। शिखा और दीपाली की मौत के बाद परिवार में मातम छाया हुआ है। दोनों बहनों के शव पीएम के बाद परिजन को सौंपे गए।

आदमपुर खंती में पोकलेन मशीन की बकेट टकराने से ऑपरेटर घायल

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित आदमपुर खंती में कचरा उठा रही पोकलेन मशीन का बकेट टकराने से मशीन ऑपरेटर घायल हो गया। घटना रविवार सुबह करीब साढ़े दस बजे के आसपास की है। दरअसल, ऑपरेटर मशीन से उतरा ही था कि बगल में चल रही मशीन के ऑपरेटर ने बकेट घुमा दी। बकेट से टकराने के कारण ऑपरेटर को सिर, हाथ और पसली में गंभीर चोट आई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार 18 साल का विकास बंजारा, अर्जुन नगर हरिपुरा में रहता है और पोकलेन मशीन आपरेट करता है। उसने पुलिस को बताया कि आदमपुर कचरा खंती में पोकलेन मशीन लगी हुई है। वह मशीन ऑपरेट कर रहा था। बगल में अन्य पोकलेन मशीने भी काम कर रही है। सुबह करीब साढ़े दस बजे के आसपास वह मशीन से उतरा और पीछे की तरफ जा रहा था, तभी बगल में पोकलेन मशीन ऑपरेट कर रहे ऑपरेटर ने मशीन को लापरवाहीपूर्वक ऑपरेट करते हुए उसे टक्कर मार दी। टक्कर मशीन के बकेट से लगी थी। इससे उसे गंभीर चोट आई और वहां काम करने वाले अन्य लोग उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

कार ने बाइक सवार टेलर को मारी टक्कर, मौत

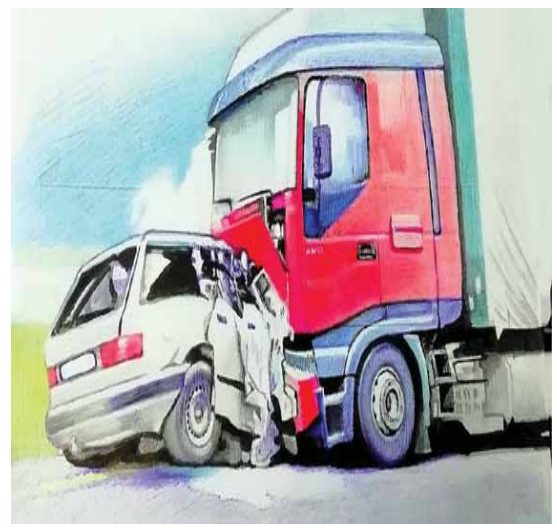

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम सड़क पर शनि मंदिर के पास हुआ हादसा

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित नर्मदापुरम सड़क पर शनि मंदिर के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार टेलर को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार टेलर सड़क पर गिर गया था। इस दौरान कार का पहिया उसकी गर्दन के पास से होता हुआ निकल गया। हादसे के बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाली कार जब्त कर आरोपी चालक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार नंद किशोर नामदेव (35) कैलाश नगर सेमरा में रहते थे और टेलरिंग करते थे। मंडीदीप में उनकी रिश्तेदारी में शादी थी। वे बाइक से शादी में शामिल होने गए थे। उनके साथ दो अन्य रिश्तेदार थे और वह दूसरी बाइक पर थे। नंद किशोर और रिश्तेदार बाइक से आगे पीछे चल रहे थे। शनि मंदिर के पास पहुंचते ही रविवार सुबह करीब सवा 4 बजे पीछे से आ रही कार के चालक ने तेजी और लापरवाही से कार चलाते हुए नंद किशोर की बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से नंद किशोर बाइक समेत सड़क पर गिर गए थे। स?क पर अंदर की तरफ गिरने के कारण कार का पहिया उनकी गर्दन से होता हुआ गुजर गया। उनके रिश्तेदार उन्हें तत्काल पास ही स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां कुछ देर बाद ही डॉक्टर ने चेक करने के बाद नंद किशोर को मृत घोषित कर दिया।

राजधानी से सीकर गए परिवार के तीन साल के बच्चे का हुआ अपहरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से पिछले दिनों परिवार के साथ राजस्थान के सीकर गए एक तीन 3 साल के बच्चे का अपहरण हो गया। बच्चा अपनी नानी और मां के साथ खाटू श्यामजी के दर्शन करने गया था। खबरो के मुताबिक जैसे ही जयपुर स्टेशन पर पहुंचे, एक युवक उनसे मिला और कहा कि वह भी खाटू श्याम जा रहा है। इसके बाद वह उनके साथ चल दिया। खाटूश्यामजी मंदिर पहुंचने पर युवक ने भीड़ का बहाना बनाया और बच्चे को अपने पास रखकर मां-नानी को दर्शन के लिए भेज दिया। जब दोनों महिलाएं दर्शन करके लौटीं तो न तो बच्चा मिला और न ही वह युवक। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना 6 जून की बताई जा रही है। परिवार ने 7 जून को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने क्षेत्र के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। साथ ही आसपास के इलाकों में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की है। बताया जा रहा है कि भोपाल से यह परिवार एकादशी पर दर्शन के लिए आया था। बच्चे की मां ने बताया कि 6 जून को वह 3 साल के बेटे रक्षम और सास आशा के साथ ट्रेन से जयपुर पहुंची। प्लेटफॉर्म पर एक युवक से मुलाकात हुई, जो खाटू जाने की बात कहकर उनके साथ हो लिया था। बच्चे के पिता अजय कुमार जाटव अपहरण की सूचना के बाद खाटूश्याम पहुंचे हैं। वे भोपाल में मिस्त्री का काम करते हैं और पुष्पा नगर में रहते हैं। तीन बेटियों में उनका इकलौता बेटा रक्षम है।

धरना-प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शासकीय महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीएम राइज़ स्कूल की प्रिंसिपल हेमलता परिहार का राजनीतिक दबाव के चलते ट्रांसफर का आरोप लगाते हुए आज स्कूल के बच्चे एवं परिजनों ने स्कूल के गेट पर धरना देकर प्रदर्शन किया।

पटेरिया को पितृ-शोक

भोपाल। राजधानी के वरिष्ठ पत्रकार प्रभु पटेरिया के पिता एन.आर. पटेरिया का निधन हो गया है। वे लगभग 80 वर्ष के थे उनका अंतिम संस्कार मंगलवार सुबह 10 बजे सुभाष नगर विश्राम घाट पर होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पटेरिया के देवलोक गमन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं उनके परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए कहा है कि इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं।

मेट्रो एंकर एक दोस्त को 31 लाख तो दूसरे को लगाया 16 लाख का चूना

मोबाइल एसेसरीज में निवेश के नाम पर रूम पार्टनरों से लाखों की ठगी

पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित अरेरा कॉलोनी में रहने वाले दो युवकों को उनके ही रूम पार्टनर ने क्रमशः 31 लाख और 16 लाख रुपए का चूना लगा दिया। आरोपी ने उन्हें मोबाइल एसेसरीज में निवेश करने और लाभ देने का प्रलोभन दिया था। पहले दोस्तों ने कम रुपए निवेश किए और उन्हें बीस फीसदी लाभ मिल गया। बाद में उन्हें 31 लाख और 16 लाख रुपए का निवेश कर दिया। ब?ी रकम हाथ लगने के बाद आरोपी फरार हो गया। उसने अपना मोबाइल नंबर भी बदल लिया तो पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाध?ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 24 साल के लक्की कुमार मूलतः बालाघाट के रहने वाले हैं और अरेरा कॉलोनी में किराए से रहते हैं। वे प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्होंने ब?ा मकान किराए पर लिया था। उक्त मकान में उनके साथ छतरपुर निवासी राजेश राजपूत रहते हैं। राजेश राजपूत फैशन डिजाइनर है। मकान का किराया लक्की और राजेश देते थे।

किराया अधिक होने के कारण उन्हें एक रूम पार्टनर की जरूरत थी। वर्ष 2023 में उनकी मुलाकात अभिषेक पटेल, उर्फ नरेश उर्फ सोनू से हुई। उसने कहा कि उसे रूम की जरूरत है। लक्की और राजेश ने अभिषेक को अपना रूम पार्टनर बना लिया। अभिषेक साथ रहता था और लक्की और राजेश की उससे दोस्ती हो गई। दोस्ती ब?ने पर अभिषेक ने उन्हें बताया कि मोबाइल एसेसरीज के बिजनेस में अच्छा फायदा है। इसमें निवेश कर लो। निवेश की गई रकम का फीस से तीस फीसदी लाभ मिलेगा। अभिषेक की बातों में आकर लक्की और राजेश ने छोटी मोटी रकम निवेश की और उन्हें बदले में बीस से तीस फीसदी लाभ मिला।

47 लाख रुपए का चूना लगाकर भागा बदमाश

लक्की और राजेश ने पुलिस को बताया कि जुलाई 2023 में उन्होंने अभिषेक की बातों में आकर क्रमशः 31 लाख और 16 लाख रुपए निवेश किए थे। उक्त रुपए एक साल के लिए लिए गए थे। जुलाई 2023 में एक साल के लिए लक्की और राजेश ने कुल 47 लाख रुपए अभिषेक को दे दिए। एक साल बीत जाने के बाद भी अभिषेक ने उन्हें ब?ी हुई रकम नहीं लौटाई। वह कुछ दिन में निवेश की गई रकम और लाभ लौटाने की बात कहता रहा फिर एकाएक फरार हो गया और अपना मोबाइल भी बंद कर लिया। अभिषेक के फरार होने के बाद लक्की और राजेश को लगा कि उनके साथ ठगी हुई है। वे थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एसडीआरएफ टीम ने की फुल ड्रेस रिहर्सल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए किए जाने वाले संसाधनो की रिहर्सल रविवार आठ जून को बेतवा नदी के बंगला घाट पर होमगार्ड एवं एसडीआरएफ टीम के द्वारा फुल ड्रेस में रिहर्सल की गई है। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चैबे ने संयुक्त रूप से होमगार्ड विभाग के माध्यम से बाढ के दौरान बचाव के किए जाने वाले उपायो और उपयोग में लाए जाने वाले संसाधनो का प्रयोगिक प्रदर्शन का जायजा लिया।

एसडीआरएफ की टीम ने बेतवा नदी के बंगला घाट पर आयोजित संयुक्त प्रायोगिक प्रदर्शन में होमगार्ड विभाग को प्राप्त हुए बाढ बचाव संसाधनो का प्रदर्शन किया जिसमें गोताखोरो के द्वारा डूबने वालो का तत्काल बचाव तथा डूबे व्यक्तियों को खोजने सहित अन्य प्रक्रियाओं को प्रेक्टिकल के रूप में क्रियान्वित किया गया है। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने मीडिया से संवाद के दौरान बतलाया कि जिले के बाढ प्रभावित क्षेत्रो की सूची तैयार की जा चुकी है इन क्षेत्रो के रहवासियों को भी आपदा से बचाव के उपायो से प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बाढ के समय की आपदा के दौरान किए

जाने वाले प्रबंधो का पूर्व रिहर्सल किया गया है। कंट्रोल रूम स्थापित किए जाते है। बाढ बचाव संबंधी सभी तैयारियां की जा चुकी है आज बंगला घाट पर एसडीआरएफ की टीम के द्वारा व बचाव उपकरणो का प्रयोगिक उपयोग किया गया है ताकि बाढ आपदा के दौरान उस समय किसी भी प्रकार की चूक ना हो पाए का हम सबका यही प्रयास होगा ताकि आपदा के दौरान किसी भी प्रकार की हानि ना होने पाए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चैबे ने बताया कि सुरक्षा को ध्यानगत रखते हुए बरती जाने वाली सावधानियां खासकर बाढ आपदा के दौरान बचाव दलो के द्वारा उपयोग किए जाने वाले संसाधनो का रिहर्सल किया गया है ताकि आपदा के पूर्व उपयोग में लाए जाने वाले संसाधन क्रियाशील है कि नहीं। उन्होंने बताया कि स्टेण्डर्ड प्रोटोकाल के तहत नागरिकों में जनजागरूकता लाने के लिए किए जाने वाले प्रबंधो के तहत आज फुल डेऊस रिहर्सल की गई है।

पश्चिम मध्य रेल
शुद्धिपत्र संख्या 19/2025
निविदा सं. 8124WCRTP-70 जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/72/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए है-निविदा क्रमांक एवं संक्षिप्त विवरण-8124WCRTP-70 विवरण: मोनोब्लॉक कंक्रीट लाइन स्लीपर्स (RT 8746), शुद्धि पत्रक 3-इस निविदा के विरूद्ध शुद्धिपत्र संख्या 3 जारी किया गया है। पूर्ण विवरण के लिए, फर्मों को सलाह दी जाती है कि वे www.ireps.gov.in देखें। अद्धतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट https://www.ireps.gov.in देखें। (हस्ता.)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे/जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022